A-BRL-M-QIMA

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं ।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in two **SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

(a) स्ट्रौसन के द्वारा व्यक्ति की प्रकृति की अपनी संकल्पना के लिए, दिए गए तर्कों को स्पष्ट कीजिए और उनका मूल्यांकन कीजिए ।

(b) निजी भाषा की संभावना के विरुद्ध विटगैनस्टाइन के तर्कों को स्पष्ट कीजिए ।

(c) अनिवार्य प्रतिज्ञप्तियों का इंद्रियानुभविक प्रतिज्ञप्तियों से विभेदन कीजिए । अनिवार्य प्रतिज्ञप्ति को किस प्रकार न्यायसंगत सिद्ध किया जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(d) चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सारवस्तुओं की विभिन्न संकल्पनाओं का खंडन करने के द्वारा, अरस्तू सारवस्तु के अपने सिद्धांत को स्थापित करता है ।

(e) विप्रतिषेध क्या होता है ? कांट द्वारा चर्चित प्रमुख विप्रतिषेधों का वर्णन कीजिए ।

Write short answers to the following in about 150 words each : *10×5=50*

(a) Explain and evaluate Strawson's arguments for his conception of the nature of a person. *10*

(b) Explain Wittgenstein's arguments against the possibility of private language. *10*

(c) Distinguish necessary from empirical propositions. How is a necessary proposition justified ? Explain. *10*

(d) Discuss how by refuting the different concepts of substances Aristotle establishes his own theory of substance. *10*

(e) What is an antinomy ? Describe the major antinomies discussed by Kant. *10*

Q2. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) प्लेटो के आकारों के सत्तामीमांसीय सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए । क्या 'ज्ञान' आकारों में से एक है ? कारण बताइए ।

(b) कांट के कारणता के विचार को स्पष्ट कीजिए । कांट किस सीमा तक ह्यूम की आपत्ति कि कारण-संबंध में तार्किक अवश्यता की कमी है, का उत्तर देने में सफल हो पाया है ?

(c) परमाणु और सामान्य प्रतिज्ञप्तियों के बीच विभेदन कीजिए । दर्शाइए कि उनको किस प्रकार सत्य सिद्ध किया जाता है ।

(d) व्यक्ति की स्वतंत्रता की स्पिनोज़ा की संकल्पना पर एक लघु समालोचनात्मक निबंध लिखिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$

(a) Explain Plato's ontological theory of Forms. Is 'knowledge' one of the Forms ? Give reasons. $12\frac{1}{2}$

(b) State Kant's view of causality. How far is Kant able to answer Hume's objection that causal relation lacks logical necessity ? $12\frac{1}{2}$

(c) Distinguish between atomic and general propositions. Show how they are justified true. $12\frac{1}{2}$

(d) Write a short critical essay on Spinoza's conception of freedom of the individual. $12\frac{1}{2}$

Q3. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) डेस्कार्टि की संदेह-प्रणाली को स्पष्ट कीजिए । क्या ईश्वर के अस्तित्व में उसके विश्वास को सिद्ध करने के लिए इस प्रणाली का इस्तेमाल किया जा सकता है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

(b) टिप्पणी कीजिए : 'संचलन स्वयं व्याघात है ।' इस संदर्भ में, हेगेल की द्वंद्वात्मक प्रणाली का परीक्षण कीजिए ।

(c) जॉन लॉक के सारवस्तु के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए ।

(d) सार्त्रे के 'बीइंग-फॉर-इटसेल्फ' और 'बीइंग-इन-इटसेल्फ' के बीच विभेद का परीक्षण कीजिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$

(a) Explain Descartes' method of doubt. Can this method be used to justify his belief in the existence of God ? Argue your case. $12\frac{1}{2}$

(b) Comment : 'Movement is contradiction itself.' Examine, in this context, Hegel's dialectical method. $12\frac{1}{2}$

(c) Examine John Locke's theory of substance. $12\frac{1}{2}$

(d) Examine Sartre's distinction between Being-for-itself and Being-in-itself. $12\frac{1}{2}$

Q4. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) टिप्पणी कीजिए : 'मूर का सामान्य बुद्धि का पक्ष-पोषण आवश्यक रूप से सामान्य भाषा का पक्ष-पोषण है ।'

(b) वरण की कीर्कगार्ड की संकल्पना का विश्लेषण कीजिए । उसके विचार में, क्या सही या ग़लत वरण हो सकता है ? चर्चा कीजिए ।

(c) अविभेद्यों के तादात्म्य के लाइबनिट्ज़ के सिद्धांत का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

(d) स्व के ह्यूम के सिद्धांत का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$

(a) Comment : 'Moore's defence of common sense essentially is defence of ordinary language.' $12\frac{1}{2}$

(b) Analyse Kierkegaard's concept of choice. Can there be, in his view, correct or incorrect choice ? Discuss. $12\frac{1}{2}$

(c) Give a critical account of Leibnitz's principle of the identity of indiscernibles. $12\frac{1}{2}$

(d) Give a critical account of Hume's theory of the Self. $12\frac{1}{2}$

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

(a) 'सप्तभंगीनय' और 'अनेकांतवाद' के सिद्धांत के बीच संबंध का विश्लेषण कीजिए ।

(b) बौद्धों की 'अस्थायित्व' की अवस्थिति को स्पष्ट कीजिए और दर्शाइए कि अस्थायित्व का विचार किस प्रकार यथार्थता की क्षणिकता के सिद्धांत तक ले जाता है ।

(c) किसी कथन के 'प्रामाण्य' (वैधता/सत्य) का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है ? इस संदर्भ में, 'परतः-प्रामाण्यवाद' के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए ।

(d) 'जीवनमुक्ति' की संभावना को स्पष्ट कीजिए । इसकी 'कैवल्य' के योग-विवरण के साथ समालोचनात्मक तुलना कीजिए ।

(e) व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास के माध्यम से विश्व मोक्ष की श्री अरविंद की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए ।

Write short answers to the following in about 150 words each : *10×5=50*

(a) Analyse the relation between the theory of *saptabhanginaya* and *anekantavada*. *10*

(b) Explain the Buddhists' position of 'Impermanence' and show how the idea of Impermanence leads to the theory of momentariness of reality. *10*

(c) How is the *pramanya* (validity/truth) of a statement determined ? Examine, in this context, the theory of *paratah-pramanyavada*. *10*

(d) Explain the possibility of *jivanmukti*. Critically compare it with the Yoga account of *kaivalya*. *10*

(e) Explain Sri Aurobindo's conception of cosmic salvation through spiritual evolution of the individual. *10*

Q6. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) पाँच प्रकारों के विभेदों (पंचविधाभेद) का वर्णन कीजिए । माधव के सिद्धांत के लिए उनके दार्शनिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

(b) 'समवाय' क्या होता है ? समवाय को एक सुस्पष्ट पदार्थ के रूप में स्वीकार करने के क्या आधार हैं ? चर्चा कीजिए ।

(c) 'पुरुष' और 'प्रकृति' के बीच संबंध का मूल्यांकन कीजिए, यदि कोई हो तो ।

(d) 'ब्रह्म'(परम) से 'ईश्वर' का किस प्रकार विभेदन किया जा सकता है ? इन दो संकल्पनाओं में से कौन-सी संकल्पना दार्शनिकतः बेहतर है ?

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$

(a) Describe the five types of differences (*panchavidhabheda*). Bring out their philosophical significance for Madhva's theory. $12\frac{1}{2}$

(b) What is *samavāya* ? What are the grounds for accepting *samavāya* as a distinct padārtha ? Discuss. $12\frac{1}{2}$

(c) Evaluate the relation, if any, between *purusa* and *prakrti*. $12\frac{1}{2}$

(d) How can *Iśvara* (God) be distinguished from *Brahman* (Absolute) ? Which of the two concepts are philosophically better ? $12\frac{1}{2}$

Q7. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) 'व्याप्ति' की न्याय संकल्पना का विश्लेषण कीजिए और 'तर्क' के साथ उसके संबंध का परीक्षण कीजिए ।

(b) 'श्रुति' को 'प्रमाण' रूप में स्वीकार करने के लिए प्रभाकर मीमांसक के तर्कों का मूल्यांकन कीजिए ।

(c) जीवात्मा के अस्तित्व के लिए न्याय-वैशेषिक के तर्कों का परीक्षण कीजिए ।

(d) शंकर के पश्चात् ब्राह्मण के स्वरूप लक्षण और तटस्थ लक्षण के बीच विभेदन कीजिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$

(a) Analyse the Nyaya concept of *vyapti* and examine its relation to *tarka*. $12\frac{1}{2}$

(b) Evaluate Prabhakara Mimamsaka's arguments for accepting *sruti* as *pramana*. $12\frac{1}{2}$

(c) Examine the Nyaya-Vaisesika arguments for the existence of jivatma (soul). $12\frac{1}{2}$

(d) Distinguish between Svarupa lakṣaṇa and Tatastha lakṣaṇa of Brahman after Śankara. $12\frac{1}{2}$

A-BRL-M-QIMA

Q8. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) टिप्पणी कीजिए : 'शून्यवाद को स्वीकार कर लेना व्यक्ति को धर्म के अनुसरण के प्रति उदासीन बना देता है ।' इस संदर्भ में, शून्यवाद के लिए नागार्जुन के तर्कों का परीक्षण कीजिए ।

(b) 'कर्म नहीं, परंतु केवल ज्ञान मोक्ष तक पहुँचा देता है ।' (शंकर) । क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर को सही सिद्ध कीजिए ।

(c) 'माया' के शंकर के सिद्धांत की रामानुज की मीमांसा का मूल्यांकन कीजिए ।

(d) योग दर्शन में 'चित्तवृत्ति' की संकल्पना का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$

(a) Comment : 'Accepting *sunyavada* makes one indifferent to the pursuit of *dharma*.' Examine, in this context, Nagarjuna's arguments for *sunyavada*. $12\frac{1}{2}$

(b) 'Not karma, but knowledge alone leads to *moksa*.' (Samkara). Do you agree ? Justify your answer. $12\frac{1}{2}$

(c) Evaluate Ramanuja's critique of Samkara's theory of *maya*. $12\frac{1}{2}$

(d) Give a critical account of the concept of *cittavṛtti* in Yoga philosophy. $12\frac{1}{2}$

CS (Main) Exam :,2014 **C-DRN-N-RIMA**

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे	*अधिकतम अंक : **250***
*Time allowed : **Three** Hours*	*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें आठ प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :
Write short answers to the following in about 150 words each : *10×5=50*

(a) कांट के अनुसार अनुभव-निरपेक्ष संश्लेषणात्मक निर्णय कैसे समर्थनीय हैं ? स्पष्ट कीजिए ।
How are the synthetic a priori judgements justifiable according to Kant ? Explain. *10*

(b) विट्गेंस्टाइन के अर्थ के प्रयोग सिद्धांत में 'भाषायी खेलों' की महत्ता स्पष्ट कीजिए ।
Bring out the significance of 'language games' in Wittgenstein's use theory of meaning. *10*

(c) हुसर्ल के संवृतिशास्त्र (फिनोमिनौलोजी) में 'कोष्ठकीकरण' की महत्ता स्पष्ट कीजिए ।
Explain the significance of 'bracketing' in Husserl phenomenology. *10*

(d) क्या लाइबनित्ज़ का पूर्व-स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत अनिवार्यतः नियतत्ववाद (डिटर्मिनिज़्म) की ओर ले जाता है ? चर्चा कीजिए ।
Does Leibniz's theory of pre-established harmony necessarily lead to determinism ? Discuss. *10*

(e) क्वाइन के "टू डॉग्मास ऑफ इम्पिरिसिज़्म" में दी गई युक्तियाँ किस सीमा तक समर्थनीय हैं ? चर्चा कीजिए ।
How far are Quine's arguments in "Two Dogmas of Empiricism" justified ? Discuss. *10*

Q2. (a) प्लेटो के अनुसार, ज्ञान और विश्वास में भेद कीजिए । यह उनकी तत्वमीमांसा पर किस प्रकार आधारित है ? स्पष्ट कीजिए ।
Distinguish between knowledge and belief according to Plato. How is it based on his metaphysics ? Explain. *20*

(b) देकार्तीय द्वैतवाद (कार्टीसियन डूअलिज़्म) के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए उसकी समर्थक युक्तियों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।
Explain the doctrine of Cartesian dualism and examine critically arguments in favour of it. *15*

(c) ह्यूम के द्वारा कार्यकारण सिद्धांत की आलोचना का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए ।
Evaluate critically Hume's criticism of theory of causation. *15*

Q3. (a) क्या इंद्रियानुभविक कथन निर्णायक रूप से सत्यापनीय हैं ? 'अर्थ के सत्यापन सिद्धांत' की परिसीमाओं की चर्चा कीजिए ।

Are empirical statements conclusively verifiable ? Discuss the limitations of 'verification theory of meaning'. *20*

(b) ट्रेक्टेटस के दर्शन में परमाणुवाद (ऐटोमिज़्म) की बर्ट्रांड रसेल द्वारा की गई व्याख्या से विट्गेंस्टाइन क्यों असहमत है ? चर्चा कीजिए ।

Why does Wittgenstein disagree with Bertrand Russell's interpretation of atomism in the philosophy of Tractatus ? Discuss. *15*

(c) क्या सामान्य बुद्धि की सफ़ाई में जी.ई. मूर द्वारा दी गई युक्तियाँ संतोषप्रद हैं ? कारण दीजिए ।

Are G.E. Moore's arguments in defence of common sense satisfactory ? Give reasons. *15*

Q4. (a) किर्केगार्ड की वरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । वरण की अधिनीतिशास्त्र में अवधारणा आदर्शक नीतिशास्त्र से किस तरह भिन्न है ? स्पष्ट कीजिए ।

Explain Kierkegaard's concept of choice. How does the concept of choice in metaethics differ from normative ethics ? Explain. *20*

(b) किसी वस्तु के अस्तित्व को जानना कालिकता (टैंपोरैलिटी) के क्षितिज के सामने होता है, हैडेगर के इस दावे को प्रस्तुत करते हुए उसका मूल्यांकन कीजिए ।

State and evaluate Heidegger's claim that temporality is the horizon against which the being of any entity is understood. *15*

(c) अरस्तू के कार्यकारण सिद्धांत में प्रयुक्त, आकार एवं द्रव्य के सिद्धांत के महत्त्व को समझाइए ।

Explain the significance of Aristotle's doctrine of form and matter in his theory of causation. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

Write short answers to the following in about 150 words each : *10×5=50*

(a) "ज्ञान और जगत् की सीमाओं को मेरा इंद्रिय-प्रत्यक्ष निर्धारित करता है ।" चार्वाक के इस दावे की चर्चा कीजिए ।

"Limits of knowledge and world are determined by my sense perception." Discuss this claim of Carvakas. *10*

(b) बौद्ध दर्शन के सौत्रान्तिक एवं वैभाषिक संप्रदायों के मध्य ज्ञानमीमांसीय (ऐपिस्टेमौलोजिकल) भेदों को स्पष्ट कीजिए ।

Explain the epistemological differences between Sautrāntika and Vaibhāṣika schools of Buddhism. *10*

(c) अपनी तत्वमीमांसा के विकास में शंकर के दर्शन द्वारा 'अध्यास' की अवधारणा की महत्ता को स्पष्ट कीजिए ।

Bring out the significance of the concept of adhyāsa in Sankara's philosophy to develop his metaphysics. *10*

(d) क्या सांख्य दर्शन में प्रकृति के अस्तित्व के पक्ष में दी गई युक्तियाँ पर्याप्त हैं ? चर्चा कीजिए ।

Are the arguments given in favour of existence of prakṛti adequate in Sāṁkhya philosophy ? Discuss. *10*

(e) क्या अर्थापत्ति प्रमाण को अनुमान प्रमाण में समाहित किया जा सकता है ? मीमांसा दर्शन के दृष्टिकोण से विवेचना कीजिए ।

Can arthāpatti (postulation) be reduced to anumāna (inference) ? Discuss it from the Mīmāṃsā point of view. *10*

Q6. (a) चिरसम्मत भारतीय परम्परा में यथार्थता के सिद्धांतों में, कार्यकारण का सिद्धांत किस तरह केन्द्रीय भूमिका निर्वाह करता है ? विवेचन कीजिए ।

How is the theory of causation central to the theories of Reality in classical Indian tradition ? Discuss. *20*

(b) कर्म की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए एवं जैन दर्शन के अनुसार उसके विभिन्न प्रकारों की विवेचना कीजिए ।

Explain the concept of Karma and discuss its various types according to Jain philosophy. *15*

(c) किसी वस्तु के अभाव को न्याय दर्शन एवं मीमांसा दर्शन में किस प्रकार जाना जाता है ? विवेचन कीजिए ।

How is an absence of an object known according to Naiyāyikās and Mīmāṁsakas ? Discuss. *15*

Q7. (a) न्याय दर्शन में अलौकिक प्रत्यक्ष को स्वीकार करने के दार्शनिक निहितार्थों को उद्घाटित कीजिए ।

Bring out the philosophical implications of introducing extraordinary (alaukika) perception in Nyaya philosophy. *20*

(b) सम्प्रज्ञात समाधि के स्वरूप एवं स्तरों को समझाइए । किस प्रकार प्रत्येक स्तर असम्प्रज्ञात समाधि की ओर अग्रसर करता है ?

Explain the nature and levels of samprajnata samadhi. How does each level lead more towards asamprajnata samadhi ? *15*

(c) "पुरुष न बंधन में होता है, न मुक्त होता है और न वह संसरण (पुनर्जन्म) करता है" — सांख्य दर्शन के मोक्ष सम्बन्धी इस मत का परीक्षण कीजिए ।

Examine the Sāṁkhya view on liberation that "the self is neither bound nor liberates, nor does it transmigrate". *15*

Q8. (a) शंकर, रामानुज एवं मध्व के दर्शन में ब्रह्म की प्रकृति किस प्रकार से भिन्न है ? आलोचनात्मक विवेचन कीजिए ।

How does the nature of Brahman differ in the philosophy of Sankara, Ramanuja and Madhva ? Discuss critically. *20*

(b) शून्यता की अवधारणा को नागार्जुन किस प्रकार समझाते हैं ?

How does Nagarjuna explain the concept of Sunyata ? *15*

(c) श्री अरविंद का पूर्ण योग किस प्रकार पातंजल योग का विकसित रूप है ? विवेचन कीजिए ।

How is Sri Aurobindo's integral yoga an advancement over Pātanjala yoga ? Discuss. *15*

C–AVZ–O–QIMA

CS (Main) Exam:2015

दर्शनशास्त्र

प्रश्न-पत्र—I

PHILOSOPHY

Paper—I

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ (8) प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

*प्रश्न क्रमांक **1** एवं **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each Section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—अ

SECTION—A

Q. 1 निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में लघु उत्तर दीजिए :—

Write short answers to the following in about 150 words each :— **10×5=50**

Q. 1(a) अरस्तु का 'वास्तविकता' और 'संभाव्यता' के बीच विभेद।

Aristotle's distinction between 'actually' and 'potentiality'. 10

Q. 1(b) दृश्यते इति वर्तते।

esse est percipi. 10

Q. 1(c) हुसरेल की 'कोष्ठीकरण' की अवधारणा।

Husserl's notion of 'bracketing'. 10

Q. 1(d) स्ट्रासन का 'एम' और 'पी' विधेयों के बीच विभेद।

Strawson's distinction between 'M' and 'P' predicates. 10

Q. 1(e) जी. ई. मूअर का आदर्शवाद का खण्डन।

G.E. Moore's refutation of idealism. 10

Q. 2(a) काण्ट द्वारा प्रवर्गों के विभाजन की व्याख्या कीजिए।

Explain Kant's division of categories. 20

Q. 2(b) चर्चा कीजिए कि हाईडेगर किस कारण अपनी तत्त्वमीमांसा में डासाइन की संकल्पना को प्रवर्तित करते हैं ?

Discuss why Heidegger introduces the concept of Dasein in his metaphysics. 15

Q. 2(c) यह दर्शाने के लिए कि विश्लेषणात्मकता, पर्यायत्व नहीं है, क्वाईन द्वारा दिए गए तर्कों की व्याख्या कीजिए।

Elucidate Quine's arguments to show that analyticity is not synonymity. 15

Q. 3(a) भाषा खेलों और जीवन रूपों के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए।

Bring out the relationship between language games and forms of life. 20

Q. 3(b) लाइब्निट्ज द्वारा प्रतिपादित 'अभेदों का तादात्म्य' सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

Explain Leibnitz's principle of 'identity of indiscernibles'. 15

Q. 3(c) 'अपूर्ण प्रतीकों' से आप क्या समझते हैं ? रसेल के अर्थ सिद्धांत में उनकी क्या भूमिका है ? चर्चा कीजिए।

What do we understand by incomplete symbols ? What role do they play in Russell's theory of meaning ? Discuss. 15

Q. 4(a) प्लेटो के आकृति-सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। क्या इस सिद्धांत से किसी प्रकार का तत्त्ववाद निगमित होता है ? विवेचन कीजिए।

Explain Plato's theory of forms. Does it entail a kind of essentialism ? Discuss. 20

Q. 4(b) क्या देकार्त के 'चिंतये अतो अस्मि' सिद्धांत से यह निगमित किया जा सकता है कि वे एक तत्त्ववादी हैं ? विवेचन कीजिए।

Does Descartes Cogito principle entail that he is an essentialist ? Discuss. 15

Q. 4(c) मानव के संदर्भ में अस्तित्व और तत्त्व के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए। स्पष्ट कीजिए कि सार्त्र के अनुसार, इस संबंध से मनुष्यों के लिए किस प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं ?

Bring out the relationship between existence and essence in the case of human being. Explain the issues it gives rise to for human beings according to Sartre. 15

खण्ड—ब

SECTION—B

Q. 5 निम्नलिखित में प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :—

Write short answers to the following in about 150 words each :— 10×5=50

Q. 5(a) पंचविधाभेद

Pancavidhabheda 10

Q. 5(b) जैन-दर्शन में द्रव्य की अवधारणा

Jain concept of *Dravya* 10

Q. 5(c) आलयविज्ञान

Ālayavijñāna 10

Q. 5(d) सतकार्यवाद

Satkaryavada 10

Q. 5(e) श्री अरविंद का पूर्ण योग।

Sri Aurobindo's Integral Yoga. 10

Q. 6(a) 'प्रमाण्यवाद' पर न्याय-मीमांसा दर्शनों में वादविवाद की व्याख्या कीजिए।

Elaborate Nyaya-Mimamsa debate on *Prāmānyavāda*. 20

Q. 6(b) "हमारा ज्ञान केवल गुणों तक सीमित है।" इस कथन का वैशेषिकों-बौद्धों के विवाद के प्रकाश में परीक्षण कीजिए।

'Our knowledge is confined to *gunas* alone'. Examine this statement in the light of Vaiśesika and Buddhist controversy. 15

Q. 6(c) क्या 'अन्यथाख्यातिवाद'-सिद्धांत दोष का पर्याप्त स्पष्टीकरण करता है ? व्याख्या कीजिए।

Is *anyathākhyātivāda* an adequate explanation of error ? Elaborate. 15

Q. 7(a) शंकर और रामानुज के दर्शन में, ब्रह्म की अवधारणा के बीच साम्य और वैषम्य बताइए।

Compare and contrast the notion of *Brahman* in Sankara and Ramanuja. 20

Q. 7(b) 'पुरुष' की सत्ता के लिए सांख्य दर्शन में प्रमाणों का कथन और परीक्षण कीजिए।

State and examine the Samkhya proofs for the existence of *Purusa*. 15

Q. 7(c) प्रागनुभविक सत्वों को अस्वीकार करने के लिए चार्वाक के तर्कों को स्पष्ट कीजिए।

Explain the arguments of Carvaka to reject transcendental entities. 15

Q. 8(a) योग-दर्शन के अनुसार बंधन क्या है ? पतंजलि के योगसूत्र में कैवल्य प्राप्ति की विधि क्या है ? व्याख्या कीजिए।

What is bondage according to yoga philosophy ? Explain the method of attaining *Kaivalya* in Patanjali's yogasutra. 20

Q. 8(b) संवरा और निर्जरा का क्या अर्थ है ? जैन दर्शन के मोक्ष-सिद्धांत में उनके महत्व की व्याख्या कीजिए।

What do *Samvara* and *Nirjara* mean ? Explain their significance in Jaina theory of liberation. 15

Q. 8(c) दुःख की व्याख्या करने में प्रतित्यसमुत्पाद सिद्धांत की क्या भूमिका है ? दुःख पर विजय पाने के साधनों की विवेचना कीजिए।

What is the role of *Pratityasamutpāda* in explaining *Dukha* ? Elucidate the means to overcome it. 15

CS (MAIN) Exam:2016

M–ESC–U–PHP

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित है तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में उत्तर दें :
Answer the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) लॉक के संदर्भ में द्वितीयक गुणों की अवधारणा को लागू करने की तार्किक आवश्यकता क्या है? कारणों सहित उत्तर दें।
What is the logical necessity for Locke to introduce the concept of secondary qualities? Give reasons for your answer.

(b) डेकार्ट द्वारा प्रस्तावित आत्म-सिद्धान्त के मत पर कान्ट की आलोचना की समीक्षा करें।
Examine Kant's criticism on Descartes' view of Self.

(c) निजी भाषा की संभावना को विट्गेन्सटाइन क्यों अस्वीकार करते हैं?
Why does Wittgenstein reject the possibility of private language?

(d) सत्यापन सिद्धान्त की व्याख्या करें। क्या यह तत्त्वमीमांसा के निष्कासन की ओर अग्रसर करता है?
Explain verification theory. Does it lead to elimination of metaphysics?

(e) क्वाइन द्वारा प्रस्तावित विश्लेषणात्मक-संश्लेषणात्मक भेद पर आलोचनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करें।
Discuss Quine's attack on the analytic-synthetic distinction.

2. (a) क्या अरस्तू भौतिक द्रव्य को 'तत्त्व' के रूप में स्वीकार करते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करें।
Does Aristotle treat matter as a 'Substance'? Give reasons for your answer. 20

(b) कारण तथा प्रभाव के सम्बन्ध पर ह्यूम के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।
Critically examine Hume's views on the relation of cause and effect. 15

(c) सार्त्र की 'अवस्तुता' का बोधात्मक विवेचन करें।
Discuss Sartre's notion of 'Nothingness'. 15

3. (a) क्या प्लेटो का 'आकार सिद्धान्त' भौतिक द्रव्य में 'परिवर्तन' और 'संवेद्यार्थता' की व्याख्या कर पाता है? अपने उत्तर के लिए तर्क प्रस्तुत करें।
Does Plato's 'Theory of Form' explain the 'change' and 'sensibility' of matter? Give reasons for your answer. 20

(b) कान्ट के अनुसार 'विशुद्ध प्रज्ञप्तियाँ' क्या हैं? ज्ञान की प्रक्रिया में विशुद्ध प्रज्ञप्तियों की भूमिका का परीक्षण करें।
What, according to Kant, are 'pure concepts'? Examine their role in the process of knowing. 15

(c) रसल के इस दृष्टिकोण की व्याख्या करें कि "भौतिक वस्तु इन्द्रिय-दत्त की तार्किक संरचना है"। वह अपने तत्त्वमीमांसीय दृष्टिकोण को 'तटस्थ एकत्ववाद' क्यों कहते हैं?
Explain Russell's view that "the physical object is a logical construction from sense-data". Why does he call his metaphysical view 'neutral monism'? 15

4. *(a)* हुसर्ल के अनुसार दार्शनिक का क्या कार्य है? क्या आप यह मानते हैं कि उनकी विधियाँ दर्शन के लिए प्रासंगिक हैं? वर्णन करें।
What, according to Husserl, is the task of a philosopher? Do you think his methods are relevant to philosophy? Discuss. 20

(b) ईश्वर के विषय में हेगेल का क्या विचार है? क्या उनकी ईश्वरवादी व्याख्या औपनिवेशिक तथा साम्राज्यिक विस्तारवाद डिजाइन की प्रक्रिया में सहायक मानी जा सकती है? स्पष्ट करें।
What is Hegel's view on God? Do you think that his interpretation of God was contributive to the colonial and imperial expansionist designs? Explain. 15

(c) ईश्वर को लेकर तर्कबुद्धिवादियों और अनुभववादियों के विभिन्न मतों की व्याख्या करें।
Discuss the various stances on God taken by Rationalists and Empiricists. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में उत्तर दें :
Answer the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) जैन और योग दर्शन में परिचर्चित 'कैवल्य' की अवधारणा के मध्य भेद स्थापित करें।
Differentiate the concept of 'Kaivalya' as discussed in Jaina and Yoga philosophies.

(b) 'क्षणिकवाद' किस प्रकार 'नैरात्म्यवाद' के लिए प्रस्तुत युक्तियों को प्रबल बनाता है? स्पष्ट करें।
How does 'Kṣaṇikavāda' strengthen the arguments for 'Nairātmyavāda'? Explain.

(c) सृष्टि के विकास की प्रक्रिया में 'प्रकृति' की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।
Critically examine the role of 'Prakṛti' in the process of evolution.

(d) जैन दर्शन के अनुसार 'नय' अवधारणा का परीक्षण करें। यह किस प्रकार 'स्याद्वाद' से भिन्न है?
Examine Jaina stance of 'Naya'. How does it differ from 'Syādvāda'?

(e) ईश्वर के संदर्भ में शंकर की स्थिति का मूल्यांकन करें।
Evaluate Śaṅkara's position on Īśvara.

6. *(a)* क्या 'प्रतीत्यसमुत्पाद का सिद्धान्त' कार्य-कारणता के नियम के दो अतिवादी विचार, सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद, में समन्वय कर पाता है? अपने उत्तर के लिए तर्क प्रस्तुत करें।
Does the 'Doctrine of Dependent Origination' reconcile the two extreme views on the law of causation, namely Satkāryavāda and Asatkāryavāda? Give reasons for your answer. 20

(b) क्या जैन दर्शन के 'तत्त्वार्थ' सिद्धान्त को वैज्ञानिक स्पष्टीकरण की दृष्टि से स्वीकार किया जा सकता है? स्पष्ट करें।
Can the 'Tattvārtha' theory of Jainism be acceptable for scientific explanations? Explain. 15

(c) क्या 'आत्मवाद' का सिद्धान्त आधुनिक वैज्ञानिक व तर्क के युग के परिप्रेक्ष्य में स्वीकार्य है? भारतीय दर्शन के संदर्भ में इसकी समीक्षा करें।
Is the doctrine of 'Self' acceptable in the modern age of science and reason? Examine the view in the light of Indian philosophy. 15

7. (a) 'विकास' और 'अन्तर्लयन' सम्बन्धी अरविंद के विचारों की विवेचना करें। ये किस प्रकार पारम्परिक योग दर्शन से भिन्न हैं?
Discuss Aurobindo's views on 'Evolution' and 'Involution'. How do they differ from traditional Yoga philosophy? 20

(b) व्याप्ति पर चार्वाक का दृष्टिकोण क्या है? क्या यह दृष्टिकोण नैयायिकों को स्वीकार्य है? कारणों सहित अपना उत्तर प्रस्तुत करें।
What would be Cārvāka's view on Vyāpti? Can this view be acceptable to the Naiyāyikas? Give reasons for your answer. 15

(c) मीमांसकों द्वारा 'अर्थापत्ति' को स्वतन्त्र प्रमाण के रूप में समझने की क्या तार्किक आवश्यकता है? विवेचना करें।
What is the logical necessity for the Mīmāṁsakas to treat 'Arthāpatti' as an independent Pramāṇa? Discuss. 15

8. (a) 'अभाव' को एक स्वतन्त्र पदार्थ के रूप में स्वीकार करने से संबंधित तर्क पर नैयायिकों ने अपनी सहमति कैसे दी? व्याख्या करें।
How do the Naiyāyikas justify the introduction of 'Abhāva' as an independent category? Explain. 20

(b) क्लेश क्या हैं? उनका उन्मूलन कैसे किया जा सकता है? व्याख्या करें।
What are Kleśas? How can these be eliminated? Explain. 15

(c) शंकर, रामानुज और माधव के द्वारा विवेचनीय 'ब्रह्मन्' की अवधारणा का आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत करें।
Give a critical exposition of the concept of 'Brahman' as discussed by Śaṅkara, Rāmānuja and Mādhava. 15

★★★

CS (MAIN) Exam : 2017 वियोज्य DETACHABLE

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र I)

PHILOSOPHY (Paper I)

समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खंडों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

1.(a) हेगेल के इस कथन की व्याख्या कीजिए : "समस्त अभेद, अभेदाभेद है ।"

Elaborate Hegel's dictum : "All identity is identity and difference." 10

1.(b) संवृत्तिशास्त्रीय अपचयवाद के समर्थन में हुसर्ल की तर्कबुद्धि की व्याख्या कीजिए ।

Explain Husserl's reasons for advocating phenomenological reductionism. 10

1.(c) 'मैं एक मनुष्य से मिला' यह कथन कैसे रसेल के लिये शब्दार्थक दृष्टि से समस्यापरक है ? रसेल इस कथन की सार्थकता का विवरण कैसे देते हैं ?

How is the statement, 'I met a man', semantically problematic for Russell ? How does he account for the meaningfulness of this statement ? 10

1.(d) किस अर्थ में प्रत्यय अंतर्यामी और इंद्रियातीत दोनों ही हो सकते हैं ? इस सन्दर्भ में प्लेटो के सामान्य और विशेषों के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।

In what sense can ideas be both immanent and transcendent ? Discuss in this context Plato's theory of universals and particulars. 10

1.(e) कैसे ह्यूम के अनुभव का विश्लेषण किसी स्थायी सत, चाहे वह भौतिक हो या मानसिक, में विश्वास के लिए कोई आधार नहीं छोड़ता है ।

Show how Hume's analysis of experience leaves no ground for belief in any permanent reality either physical or mental. 10

2.(a) कैसे 'सभी देह विस्तारित हैं' – एक विश्लेषणात्मक निर्णय है, किन्तु 'सभी देह भारी हैं' एक संश्लेषणात्मक निर्णय है ? क्या 'प्रत्येक घटना का एक कारण है' – एक विश्लेषणात्मक अथवा एक संश्लेषणात्मक निर्णय ? व्याख्या कीजिये ।

How is 'all bodies are extended' an analytic judgement but 'all bodies are heavy' a synthetic judgement ? Is 'every event has a cause' an analytic or a synthetic judgement ? Explain. 20

2.(b) विटगेन्स्टाइन का अर्थ का चित्र सिद्धान्त क्या है ? उसके द्वारा इस सिद्धान्त को छोड़ने तथा अर्थ के उपयोग सिद्धान्त को प्रस्तावित करने के क्या कारण हैं ?

What is Wittgenstein's picture theory of meaning ? What are his reasons for giving up this theory and suggesting the use theory of meaning ? 15

2.(c) अरस्तू के आकार और भौतिक द्रव्य के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये । यह अरस्तू को कैसे परिवर्तन (गति) एवं स्थायित्व की समस्या के समाधान के लिये समर्थ बनाता है ?

Explain Aristotle's theory of form and matter. How does it help him resolve the problem of change and permanence ? 15

3.(a) कांट के दिक् एवं काल के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये । यह सिद्धान्त काण्ट को यह व्याख्या करने में कैसे समर्थ बनाता है कि गणितीय प्रतिज्ञप्तियाँ संश्लेषणात्मक और अनुभवनिरपेक्ष दोनों हो सकती हैं ?

Elaborate Kant's theory of space and time. How does this theory enable him to explain how mathematical propositions can be both synthetic and a priori ? 20

3.(b) देकार्त के अनुसार एक 'स्पष्ट और सुभिन्न प्रत्यय' क्या है ? स्पष्ट और सुभिन्न प्रत्ययों की ज्ञानमीमांसीय स्थिति क्या है ? क्या यह विवरण भौतिक पदार्थों के अस्तित्व को सिद्ध करने में देकार्त का सहायक है ? व्याख्या कीजिए ।
What, according to Descartes, is a 'clear and distinct idea' ? What is the epistemological status of clear and distinct ideas ? Does this account help Descartes prove that material objects exist ? Explain. 15

3.(c) इंद्रियानुभववाद के दो हठधर्म क्या हैं, जिन पर क्वाइन प्रहार करता है ? द्वितीय हठधर्म के विरुद्ध उसके तर्क क्या हैं ?
What are the two dogmas of empiricism that Quine attacks ? What are his arguments against what he calls the second dogma ? 15

4.(a) लॉक किस प्रकार मूल गुणों और गौण गुणों के बीच भेद करता है ? क्या वह मूल गुणों के प्रत्यय और मूलगुणों के साथ साथ गौण गुणों के प्रत्यय और गौण गुणों के बीच भी भेद करता है ? विवेचना कीजिए ।
How does Locke draw a distinction between primary and secondary qualities ? Does he also draw a distinction between the *idea* of primary qualities and primary qualities as well as the *idea* of secondary qualities and secondary qualities ? Discuss. 20

4.(b) 'जो भी रंगीन है वह विस्तृत है', क्या यह वाक्य तार्किक प्रत्यक्षवादियों की अर्थपूर्णता की कसौटी को सन्तुष्ट करता है ? व्याख्या कीजिए ।
Does the sentence, 'Whatever is coloured is extended', satisfy the criterion of meaningfulness proposed by the logical positivists ? Explain. 15

4.(c) हाइडेगर की प्रामाणिकता की अवधारणा का विवेचन कीजिये और व्याख्या कीजिये कि कैसे एक अप्रामाणिक डेज़ाइन खोयी आत्मा को पुनः प्राप्त करता है ?
Discuss Heidegger's concept of authenticity and explain how an inauthentic Dasein regains the lost self ? 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

5.(a) "चैतन्य से विशिष्ट देह के अतिरिक्त आत्मा कुछ नहीं है ।" इस मत को स्वीकार करने में चार्वाक के क्या तर्क हैं ?
"The soul is nothing but conscious body." What are the reasons for Cārvāka in holding this view ? 10

5.(b) वैशेषिक दर्शन के अनुसार पदार्थ के आवश्यक लक्षण क्या हैं ?
What are the necessary characteristics of padārtha according to Vaiśeṣika philosophy ? 10

5.(c) न्याय दर्शन में प्रतिपादित वैध हेतु (वेलिड हेतु) की उपाधियों की व्याख्या कीजिए ।
Explain the conditions of valid hetu as propounded in Nyāya philosophy. 10

5.(d) "योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः" से क्या तात्पर्य है ? चित्तवृत्ति तथा उसके प्रभावों की योग दर्शन के अनुसार व्याख्या कीजिये ।
What is meant by "yogâścittavṛttinirodhah" ? Explain cittavṛtti and its effects according to Yoga philosophy. 10

5.(e) माध्यमिकों के अनुसार सत् के स्वरूप की व्याख्या करने में चतुष्कोटि की भूमिका की व्याख्या कीजिये ।
Elucidate the role of catuṣkoṭi in explaining the nature of reality according to Mādhyamika school of thought. 10

6.(a) प्रत्यक्ष की प्राचीन न्याय परिभाषा की व्याख्या कीजिये । इस परिभाषा को परवर्त्ती न्यायायिकों द्वारा क्यों अपर्याप्त माना गया है ?

Explain the early Nyāya definition of perception. Why this definition is considered inadequate by the later Naiyāyikas ? 20

6.(b) "जैन तत्त्वमीमांसा सापेक्षवादी एवं वस्तुवादी बहुतत्त्ववाद है ।" विवेचना कीजिये ।

"The Jaina metaphysics is relativistic and realistic pluralism." Discuss. 15

6.(c) क्षणिकवाद को सुस्थापित करने के लिये बौद्धों के तर्क क्या हैं ? क्या ये तर्क अनिवार्यतः कृतप्रणाश (कृतनाश) और अकृताभ्युपगम की ओर ले जाते हैं ?

What are the arguments of the Buddhists to establish Kṣaṇikavāda ? Do they necessarily lead to kṛtanāśa and akṛtābhyupagama ? 15

7.(a) माध्यमिक, योगाचारवादी एवं सर्वास्तिवादी सत् के स्वरूप के सम्बन्ध में कैसे भिन्न मत रखते हैं ? सर्वास्तिवादी कैसे अपने में सत् की सुविज्ञता के विषय में भिन्न मत रखते हैं ?

How do Mādhyamikas, Yogācāravādins and Sarvāstivādins differ among themselves concerning the nature of reality ? How do Sarvāstivādins differ among themselves with regard to knowledgeability of reality ? 20

7.(b) अतिमानसिक चेतना की अनुभूति में श्री अरविन्द का समग्रयोग कैसे सहायक है ? विवेचना कीजिये ।

How does Sri Aurobindo's integral yoga help in the realization of supramental consciousness ? Discuss. 15

7.(c) विवर्तवाद एवं परिणामवाद के बीच कार्यकारण-भाव के संदर्भ में भेद स्पष्ट करें तथा इन सिद्धान्तों के आलोक में शंकर एवं रामानुज, जगत् की स्थिति (status) के सम्बन्ध में कैसे भिन्न मत रखते हैं, व्याख्या कीजिये ।

Distinguish between vivartavāda and pariṇāmavāda with reference to causation and explain how in the light of these theories Sankara and Ramanuja differ on the status of the world. 15

8.(a) मीमांसकों के अनुसार ज्ञान के प्रामाण्य सिद्धान्त (प्रामाण्यवाद) की व्याख्या कीजिये । न्याय के प्रामाण्य सिद्धान्त की आलोचना मीमांसक कैसे करते हैं ?

Explain the theory of Validity of Knowledge (prāmāṇyavāda) according to Mīmāṁsakas. How did they criticize the Nyāya theory of Validity ? 20

8.(b) ईश्वर के प्रति रामानुज के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिये और उन कठिनाइयों की जाँच कीजिये जो भौतिक द्रव्य एवं चित् की ईश्वर के साथ सम्बन्ध की व्याख्या करते समय उनके सामने आयी ।

Explain Ramanuja's conception of God and examine the difficulties he faced in explaining the relation of God to matter and spirit. 15

8.(c) अपने कार्यकारण-भाव के सिद्धान्त के आलोक में क्या सांख्य दर्शन के लिए जगत् में चेतना की उपस्थिति की व्याख्या करना सम्भव है ? विवेचना कीजिये ।

Given its theory of causation, is it possible for Sāṁkhya to explain the presence of consciousness in the world ? Discuss. 15

CS (MAIN) EXAM:2018

EGT–P–PHLY

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे | अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) क्या ह्यूम के लिए इन दो सत्यों—'कल सूर्योदय होगा' एवं '2+2=4' में समान अनिवार्यता है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

Are the two truths—'The Sun will rise tomorrow' and '2+2=4' of the same necessity for Hume? Give reasons in favour of your answer.

(b) लाइबनिज़ जब 'पूर्व-स्थापित सामञ्जस्य' की बात करता है, तब उसके दर्शन में स्वतन्त्रता के लिए कोई स्थान है क्या? विवेचन कीजिए।

Is there any place for freedom in Leibniz's philosophy, when he speaks of 'pre-established harmony'? Discuss.

(c) 'भाषा एक खेल है' इसके अनुमोदन में 'कुल-साम्य' की संकल्पना विट्गेन्स्टाइन की कैसे सहायता करती है? विवेचन कीजिए।

How does the notion of 'family resemblance' help Wittgenstein to uphold that 'Language is a game'? Discuss.

(d) सार्त्र अप्रामाणिकता का आत्मप्रवञ्चना से कैसे सम्बन्ध स्थापित करता है? सार्त्र यह क्यों दर्शाते हैं कि अप्रामाणिकता एवं आत्मप्रवञ्चना विसम्बन्धन की ओर ले जाते हैं? विवेचन कीजिए।

How does Sartre connect inauthenticity with bad faith? Why does Sartre show that inauthenticity and bad faith lead to alienation? Discuss.

(e) स्ट्रॉसन अपने दर्शन में व्यक्ति (पर्सन) की संकल्पना की व्याख्या किस प्रकार करता है? विवेचन कीजिए।

How does Strawson explain the concept of person in his philosophy? Discuss.

2. (a) डेकार्ट्स, स्पिनोज़ा और लाइबनिज़ की द्रव्य की परिभाषाओं एवं वर्गीकरणों में भिन्नता का क्या कारण है, इस तथ्य के बावजूद कि वे सभी तर्कबुद्धिवादी सम्प्रदाय से ताल्लुक रखते हैं? विवेचन कीजिए।

What is the reason for the difference in the definitions and classifications of substances made by Descartes, Spinoza and Leibniz in spite of the fact that they all belonged to the rationalist school of thought? Discuss. 20

(b) 'बोध प्रकृति का निर्माण करता है', कान्ट की इस अभ्युक्ति के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं कि हेगेल का निरपेक्षवाद, कान्ट के द्वैतवाद की पराकाष्ठा है? विवेचन कीजिए। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

Explain the significance of the Kantian dictum, 'Understanding makes Nature'. How far do you agree that Hegel's Absolutism is the culmination of the Kantian Dualism? Discuss. Give reasons in favour of your answer. 15

(c) क्वाइन कैसे दर्शाता है कि कान्ट द्वारा विवेचित प्रागनुभविक ज्ञान का अभिप्राय 'तत्त्वमीमांसीय आस्था का एक विषय' है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

How does Quine show that the notion of *a priori* knowledge as discussed by Kant is 'a metaphysical article of faith'? Give reasons for your answer. 15

3. (a) बर्कले यह कैसे स्थापित करता है कि केवल मन एवं इसके विचार ही वास्तविक हैं? मूर एवं रसेल, बर्कले के इस मत की कैसे प्रतिक्रिया करते हैं? मूर एवं रसेल की इस प्रतिक्रिया में क्या आपको कोई भिन्नता मिलती है? विवेचन कीजिए।

How does Berkeley establish that Mind and its ideas alone are real? How do Moore and Russell react to Berkeley's view in this regard? Do you find any difference between Moore's reaction and Russell's one? Discuss. 20

(b) तार्किक प्रत्यक्षवादी यह कैसे दर्शाते हैं कि तत्त्वमीमांसीय कथन निरर्थक हैं? क्या उनकी अर्थ के सत्यापन की थियोरी सभी वैज्ञानिक कथनों की सार्थकता हेतु मान्य हो सकती है? विवेचन कीजिए।

How do the logical positivists show that metaphysical sentences are meaningless? Can their verification theory of meaning account for the meaningfulness of all scientific sentences? Discuss. 15

(c) दर्शन की अधिकतर निर्णायक समस्याओं के बोध के लिए एकमात्र मार्ग के रूप में विट्गेन्स्टाइन 'जो कहा जा सकता है' और 'जिसे दिखाया जा सकता है' में कैसे भेद करता है? क्या वह औचित्यपूर्ण है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

How does Wittgenstein apply the distinction between 'saying' and 'showing' to point to a single way of apprehending the most decisive problems of philosophy? Is he justified? Give reasons for your answer. 15

4. (a) असम्बन्धन (इपोखे) क्या है? हाइडेगर सांवृतिक (फ़ेनॉमिनॉलॉजिकल) अपचयन की इस विधि को कैसे अस्वीकृत करता है? अनुभवातीत अहम् की संकल्पना के विरुद्ध हाइडेगर की 'जगत् में होना' की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।

What is *Epoché*? How does Heidegger reject this method of phenomenological reduction? Explain Heidegger's concept of 'being in the world' as opposed to the concept of a transcendental ego. 20

(b) क्या प्लेटो के प्रत्यय एवं जगत् के बीच सम्बन्ध की व्याख्या तार्किक रूप से सुसंगत है? इसके सम्बन्ध में अरस्तू के विचारों की विवेचना कीजिए एवं अपने उत्तर के पक्ष में तर्क भी दीजिए।

Is the relation between the Idea and the World as discussed by Plato logically consistent? Discuss Aristotle's views regarding this and also give arguments in favour of your answer. 15

(c) रसेल की निश्चायक वर्णन की थियोरी, उसके तार्किक परमाणुवाद से कैसे सम्बन्धित है? विवेचन कीजिए और अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

How is Russell's theory of definite description related to his Logical Atomism? Discuss and give reasons for your answer. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) वैशेषिक दार्शनिक इन दो मामलों—*(i)* टेबल का भूरा (ब्राउन) रंग और *(ii)* टेबल पर पुस्तक, के बीच सम्बन्धों की भिन्नता की व्याख्या कैसे करते हैं? विवेचन कीजिए।
How do the Vaiśeṣika philosophers explain the difference of the relationships in the two cases—*(i)* the brown colour of the table and *(ii)* the book on the table? Discuss.

(b) माध्यमिक बौद्ध अपने 'शून्यता' सिद्धान्त की स्थापना के लिए 'प्रतीत्यसमुत्पाद' सिद्धान्त का किस प्रकार अनुप्रयोग करते हैं? विवेचन कीजिए।
How do the Mādhyamika Buddhists apply the notion of *Pratītyasamutpāda* to establish their doctrine of *Śūnyatā* ? Discuss.

(c) अद्वैत वेदान्त दर्शन में 'ब्रह्म' की अवर्णनीयता (अनिर्वचनीयता) एवं 'माया' की अवर्णनीयता (अनिर्वचनीयता) में क्या भेद है? विवेचन कीजिए।
What is the difference between the indescribability (*Anirvacanīyatā*) of *Brahman* and the indescribability (*Anirvacanīyatā*) of *Māyā* in the Advaita Vedānta system? Discuss.

(d) बौद्ध एवं न्याय दार्शनिक, 'टेबल पर जार की अनुपस्थिति है', हमारे इस ज्ञान की व्याख्या किस प्रकार करते हैं? विस्तृत उत्तर दीजिए।
How do the Buddhists and the Nyāya philosophers explain our knowledge of 'the absence of the jar on the table'? Answer in detail.

(e) 'पुरुष' एक है या अनेक? इस सम्बन्ध में सांख्यसम्मत स्थिति की व्याख्या कीजिए एवं अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।
Is *Puruṣa* one or many? Explain the Sāṁkhya position in this regard and give arguments in support of your answer.

6. *(a)* नैयायिक ईश्वर के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करते हैं? क्या योग दार्शनिक ईश्वर को उसी प्रकार सिद्ध करते हैं? यदि हाँ, तो कैसे? और यदि नहीं, तो क्यों? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।
How do the Naiyāyikas prove the existence of God? Do the Yoga philosophers prove God in the same way? If yes, how? And if no, why? Give reasons for your answer. 20

(b) बौद्ध के लिए 'नैरात्म्यवाद' एवं 'निर्वाण' दोनों सिद्धान्तों को एक साथ स्वीकार करना क्या सुसंगत है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।
Is it consistent for the Buddhists to admit the theory of *Nairātmyavāda* and the doctrine of *Nirvāṇa* simultaneously? Give reasons in favour of your answer. 15

(c) जैन दार्शनिक 'बन्धन' की व्याख्या कैसे करते हैं? उनके अनुसार 'मुक्तात्मा' एवं 'बद्धात्मा' में क्या भिन्नता है? 'मुक्तात्मा' की अवस्था के विषय में जैनियों का क्या विचार है? विवेचन कीजिए।

How do the Jaina philosophers explain 'bondage'? What, according to them, is the distinction between 'liberated soul' and 'bound soul'? What do the Jainas think about the condition of the 'liberated soul'? Discuss. 15

7. (a) 'विशिष्टाद्वैत', 'द्वैत', 'शुद्धाद्वैत' एवं 'अचिन्त्यभेदाभेद' दर्शनों में पाई जाने वाली 'मोक्ष' की संकल्पना का एक तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

Give a comparative exposition of the concept of *Mokṣa* as found in the systems of *Viśiṣṭādvaita, Dvaita, Śuddhādvaita* and *Acintyabhedābheda.* 20

(b) अद्वैत वेदान्ती सांख्य दर्शन के 'प्रकृतिपरिणामवाद' की कैसे प्रतिक्रिया करता है? इस सम्बन्ध में सांख्य दर्शन अपनी स्थिति का किस प्रकार बचाव करते हैं? विवेचन कीजिए।

How do the Advaita Vedāntins react to the *Prakṛtipariṇāmavāda* of the Sāṁkhya philosophy? How do the Sāṁkhyas defend their own position in this regard? Discuss. 15

(c) शङ्कर द्वारा प्रतिपादित 'माया' के सिद्धान्त का रामानुज कैसे खण्डन करते हैं? रामानुज एवं शङ्कर दोनों को अपने-अपने सिद्धान्तों की स्थापना के लिए 'माया' की क्यों आवश्यकता है? विवेचन कीजिए।

How does Rāmānuja refute the doctrine of *Māyā* as propounded by Śaṅkara? Why is *Māyā* needed by both Rāmānuja and Śaṅkara to establish their doctrines? Discuss. 15

8. (a) क्या 'स्वयंप्रकाशवाद' की स्वीकृति अनिवार्यतः 'स्वतःप्रामाण्यवाद' की स्वीकृति उत्पन्न करती है? इस सन्दर्भ में नैयायिकों, मीमांसकों एवं अद्वैत वेदान्तियों के मतों का वर्णन कीजिए।

Does the admission of *Svayaṁprakāśavāda* necessarily lead to the admission of *Svataḥprāmāṇyavāda*? Discuss after the Naiyāyikas, the Mīmāṁsakas and the Advaita Vedāntins. 20

(b) क्या चार्वाक द्वारा अनुमान का खण्डन अन्य भारतीय दर्शन-सम्प्रदायों को स्वीकार है? यदि नहीं, तो क्यों? क्या आपके विचार में अन्य सम्प्रदायों के विचार औचित्यपूर्ण हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

Is Cārvāka rejection of inference acceptable to the other systems of Indian philosophy? If not, why? Do you think the views of other systems to be justified? Give reasons for your answer. 15

(c) श्रीअरविन्द के अनुसार विकास क्या है? उनके दर्शन में वर्णित त्रिविध रूपान्तरण के प्रक्रम और प्रज्ञानी प्राणी के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

What is Evolution according to Sri Aurobindo? Describe the process of triple transformation and the nature of gnostic being in his philosophy. 15

★ ★ ★

SDF–U–PHLY

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लघु उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5=50

   (a) अपने 'गुफा-रूपक' के द्वारा प्लेटो क्या सिद्ध करना चाहते हैं?
   What does Plato want to prove by his 'Allegory of Cave'?

   (b) क्या हुस्सर्ल द्वारा विभ्रांति को एक साभिप्राय क्रिया माना जा सकता है? व्याख्या कीजिए।
   Can hallucination be regarded as an intentional act by Husserl? Explain.

   (c) हेगेल के दर्शन में, सत्य की प्राप्ति में, द्वन्द्वात्मक पद्धति की क्या भूमिका है?
   What is the role of dialectics in realizing the truth in Hegel's philosophy?

   (d) स्वयं एवं ईश्वर से भिन्न अन्य वस्तुओं की सत्ता को देकार्त किस प्रकार सिद्ध करते हैं? विवेचना कीजिए।
   How does Descartes prove the existence of things other than himself and God? Discuss.

   (e) संश्लेषणात्मक-विश्लेषणात्मक विभेद के विरुद्ध क्वाइन के तर्कों की व्याख्या कीजिए।
   Explain Quine's arguments against synthetic-analytic distinction.

2. *(a)* तार्किक प्रत्यक्षवादी सामान्य कथनों के अर्थ का विवरण किस प्रकार देते हैं? क्या वही विवरण तत्त्वमीमांसीय कथनों पर भी लागू किया जा सकता है? विवेचना कीजिए।
   How do the logical positivists account for the meaning of general statements? Can the same account be applied to metaphysical statements? Discuss. 20

   (b) अरस्तू के अनुसार, द्रव्य में विकासवादी परिवर्तनों के कारण क्या हैं? विवेचना कीजिए।
   What are the reasons for developmental changes in substance according to Aristotle? Discuss. 15

   (c) स्पिनोज़ा के इस कथन का क्या तात्पर्य है कि जो है, वह उसके अतिरिक्त कुछ और नहीं हो सकता है? व्याख्या कीजिए।
   What do you understand by Spinoza's statement that what is, cannot be other than what it is? Explain. 15

3. *(a)* क्या हेडेगर के लिए डेज़ाइन प्रामाणिक सत्ता है? वे डेज़ाइन को किस प्रकार कालिकता से संबद्ध करते हैं? विवेचना कीजिए।
   Is Dasein authentic existence for Heidegger? How does he relate temporality with Dasein? Discuss. 20

   (b) दर्शाइए कि विटगेन्सटाइन की अहंमात्रवाद की मीमांसा का चरमोत्कर्ष किस प्रकार निजी भाषा की मीमांसा में हो जाता है।
   Show how Wittgenstein's critique of solipsism culminates in the critique of private language. 15

   (c) क्या कारण है कि मूर के दर्शन को सामान्य बुद्धि वास्तववाद कहा जाता है?
   Why is Moore's philosophy called common-sense realism? 15

4. *(a)* देश एवं काल के अनुभवातीतता के लिए कान्ट किस प्रकार तर्क प्रस्तुत करते हैं? विवेचना कीजिए।

How does Kant argue for the transcendence of Space and Time? Discuss. 20

(b) क्या ह्यूम के अनुसार कारण-संबंधों में कोई अनिवार्यता का तत्त्व होता है? विवेचना कीजिए।

Is there any element of necessity in causal relations according to Hume? Discuss. 15

(c) चयन-स्वातंत्र्य और नियतिवाद की समस्या को सार्त्र किस प्रकार देखते हैं? व्याख्या कीजिए।

How does Sartre look at the problem of freedom of choice and determinism? Explain. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लघु उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) वैशेषिक दर्शन में, पदार्थ के रूप में अभाव की स्थिति का औचित्य बताइए।

Justify the status of *Abhāva* as a category in Vaiśeṣika philosophy.

(b) योगाचार बौद्ध बाह्य जगत् के अस्तित्व का खण्डन किस प्रकार करते हैं? चर्चा कीजिए।

How do the Yogācāra Buddhists deny the existence of the external world? Discuss.

(c) जब चार्वाक मानते हैं कि अनुमान ज्ञान का एक स्रोत नहीं है, तब क्या वे संगत होते हैं? चर्चा कीजिए।

Are the Cārvākas consistent when they hold that inference is not a source of knowledge? Discuss.

(d) सांख्य दर्शन के अनुसार, जीव और पुरुष की तत्त्वमीमांसीय स्थिति का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए।

Critically discuss the metaphysical status of a *Jīva* and a *Puruṣa* according to Sāṅkhya philosophy.

(e) मीमांसा किस प्रकार वैदिक ज्ञान की प्रामाणिकता को स्थापित करता है?

How does Mīmāṁsā establish the authority of Vedic knowledge?

6. *(a)* जैन दर्शन यथार्थता को किस प्रकार परिभाषित करता है? यथार्थता की यह थियोरी उनके निर्णयों की दृष्टि में किस प्रकार प्रतिबिम्बित होती है? चर्चा कीजिए।

How is reality defined by the Jainas? How is this theory of reality reflected in their view on judgements? Discuss. 20

(b) अन्यथाख्याति की व्याख्या करने में ज्ञानलक्षण-प्रत्यक्ष की क्या भूमिका है?

What is the role of *Jñānalakṣaṇa-pratyakṣa* in explaining *Anyathākhyāti*? 15

(c) चार्वाक के अनुसार निम्नलिखित युक्ति में क्या दोष है?

सभी मनुष्य मरणशील हैं।

सुकरात एक मनुष्य है।

इसलिए सुकरात मरणशील है।

अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए।

What is wrong according to the Cārvākas with the following argument?

All men are mortal.

Socrates is a man.

Therefore, Socrates is mortal.

Justify your answer with arguments. 15

7. (a) उदयन किस प्रकार कार्यात्, आयोजनात्, धृत्यादेः और श्रुतेः के द्वारा ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करते हैं? विवेचना कीजिए।

How does Udayana prove the existence of God through *Kāryāt*, *Āyojanāt*, *Dhṛtyādeḥ* and *Śruteḥ*? Discuss. 20

(b) योग दर्शन किस प्रकार एक वैज्ञानिक, एक ईश्वरज्ञान-संपन्न भक्त और एक आत्मज्ञान-संपन्न योगी के चित्त-स्तरों को समझेगा? अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए।

How would Yoga philosophy comprehend the *Citta*-levels of a Scientist, a God-realized Devotee and a Self-realized Yogī? Justify your answer. 15

(c) प्रतीत्यसमुत्पाद क्या है? प्रत्येक वस्तु की क्षणिकता सिद्ध करने हेतु बौद्ध इस संकल्पना का किस प्रकार अनुप्रयोग करते हैं?

What is *Pratītyasamutpāda*? How do the Buddhists apply this concept to prove that everything is momentary? 15

8. (a) अद्वैतवाद के तत्त्वमीमांसीय निरपेक्षवाद के तार्किक परिणामों की व्याख्या कीजिए।

Explain the logical consequences of the metaphysical absolutism of Advaitism. 20

(b) अरविन्द के दर्शन की तत्त्वमीमांसीय योजना में अतिमानस की अद्वितीय स्थिति की व्याख्या कीजिए।

Explain the unique position of the Supermind in the metaphysical scheme of Aurobindo's philosophy. 15

(c) प्रकृति के अस्तित्व के लिए सांख्य का कौन-सा प्रमाण वास्तव में दर्शाता है कि प्रकृति केवल एक ही हो सकती है? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।

Which Sāṅkhya proof for the existence of *Prakṛti* actually shows that there can be only one *Prakṛti*? Justify your answer. 15

★★★

CS (Main) Exam, 2020

URC–U–PHLY

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) अरस्तू द्रव्य पर आकार की तथा सम्भाव्यता पर यथार्थता की वरीयता के लिए किस प्रकार युक्ति प्रस्तुत करते हैं? समालोचनात्मक विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

How does Aristotle argue for the priority of Form over Matter and Actuality over Potentiality? Critically discuss.

(b) लाइब्नीज़ की चिदणु की अवधारणा उनके नियतिवाद तथा स्वतन्त्रता सम्बन्धित विचारों को किस प्रकार प्रभावित करती है? अपनी टिप्पणी के साथ विवेचना कीजिए।

How does Leibniz's conception of monads bear upon his views on determinism and freedom? Discuss with your own comments.

(c) हुसर्ल के अनुसार मनोविज्ञानवाद में क्या समस्या है? हुसर्ल अपनी संवृत्तिशास्त्रीय विधि में मनोविज्ञानवाद सम्बन्धित समस्याओं का क्या निवारण प्रस्तुत करते हैं?

What, according to Husserl, is wrong with psychologism? How does Husserl address the problems with psychologism in his phenomenological method?

(d) हेगेल के निरपेक्ष प्रत्ययवाद के आलोक में व्यावहारिक जगत् की सत्यता का परीक्षण कीजिए।

Examine the reality of the phenomenal world in the light of Hegel's Absolute Idealism.

(e) "अतिमानव की आत्मा शुभ है।"

तार्किक प्रत्यक्षवाद के आलोक में उपर्युक्त कथन का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

"The Soul of Superman is Good."

Critically examine the above statement in the light of logical positivism.

2. *(a)* "मैं स्वयं को किसी भी समय प्रत्यक्ष से रहित नहीं पाता हूँ तथा न ही मैं प्रत्यक्ष के अतिरिक्त किसी का अवलोकन कर पाता हूँ।" ह्यूम का यह कथन किस प्रकार वैयक्तिक तादात्म्य की दार्शनिक अवधारणा का समस्यायीकरण करता है? कान्ट अपने 'क्रिटीक ऑफ प्यूर रीज़न' में इस समस्या का किस प्रकार अन्वेषण करते हैं?

"I never can catch myself at any time without perception, and never can observe anything but the perception." How does this statement by Hume problematize the philosophical notion of personal identity? How does Kant deal with this problem in his *Critique of Pure Reason*? 20

(b) मूर के निम्नलिखित कथन की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए :

"यदि कोई व्यक्ति हमें कहे कि यह कहना कि 'नीला विद्यमान है' यह कहने के समतुल्य है कि 'नीला तथा चेतना दोनों विद्यमान हैं', तो वह व्यक्ति त्रुटि तथा एक आत्म-व्याघाती त्रुटि करता है।"

Critically discuss the following statement by Moore :

"If anyone tells us that to say 'Blue exists' is the same thing as to say that 'Both blue and consciousness exist', he makes a mistake and a self-contradictory mistake." 15

(c) "मेरा अपनी अवधारणा को तार्किक परमाणुवाद की संज्ञा देने का कारण यह है कि विश्लेषण द्वारा प्राप्त अंतिम अवशेष के रूप में जिन परमाणुओं पर हम पहुँचते हैं, वे तार्किक परमाणु हैं न कि भौतिक परमाणु।" उपर्युक्त कथन के आलोक में रसल के अनुसार परमाण्विक तथ्यों के स्वरूप पर एक टिप्पणी लिखिए।

"The reason that I call my doctrine logical atomism is because the atoms that I wish to arrive at as the sort of last residue in analysis are logical atoms and not physical atoms." Write a note on the nature of atomic facts according to Russell in the light of the above statement. 15

3. (a) 'एकल व्यक्ति' की समस्या के सन्दर्भ में "आत्मनिष्ठता ही सत्य है" के कथन से कीर्केगार्ड का क्या तात्पर्य है?

What does Kierkegaard mean by saying "Subjectivity is the truth" in the context of the problem of 'the single individual'? 20

(b) स्ट्रॉसन के मौलिक विशेष सिद्धान्त के सन्दर्भ में वस्तुनिष्ठ चिन्तन में देश-कालिक चिन्तन की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the role of spatio-temporal thinking in objective thinking with reference to Strawson's theory of basic particulars. 15

(c) कान्ट के अनुसार विशुद्ध तर्कबुद्धि कब विप्रतिषेध के क्षेत्र में प्रवेश कर जाती है? क्या कान्ट की विशुद्ध तर्कबुद्धि की विप्रतिषेध की अवधारणा उनके द्वारा प्रतिपादित व्यवहार सत् तथा परमार्थ सत् के भेद की प्राकृतिक परिणति है? अपने उत्तर के पक्ष में युक्ति प्रस्तुत कीजिए।

When does Pure Reason enter into the realm of Antinomies according to Kant? Is Kant's notion of Antinomies of Pure Reason a natural culmination of his distinction between Phenomena and Noumena? Give reasons in favour of your answer. 15

4. (a) "हम जिस रूप में निर्मित हो गये हैं हम उसमें से सदैव कुछ और का निर्माण कर सकते हैं।" सार्त्र के इस कथन की उनके अस्तित्ववाद से सम्बन्धित विचारों के सन्दर्भ में समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

"You can always make something out of what you have been made into." Critically discuss this statement by Sartre with reference to his views on existentialism. 20

(b) "ईश्वरीय स्वरूप की अनिवार्यता से अनन्त वस्तुओं का अनन्त प्रकार से प्रतिफलन होना अवश्यम्भावी है।" स्पिनोज़ा के इस कथन की कुछ सम्भावित आलोचनाओं सहित व्याख्या कीजिए।

"From the necessity of the divine nature there must follow infinitely many things in infinitely many ways." Explain this statement by Spinoza along with some possible criticisms. 15

(c) "किन्तु क्या हम एक ऐसी भाषा की भी कल्पना कर सकते हैं जिसमें कोई व्यक्ति अपने अन्दरूनी अनुभवों—अपने भावों, मनोदशाओं आदि—का लिखित अथवा मौखिक सम्प्रेषण अपने निजी प्रयोग के लिए कर सके?" विटगेनस्टाइन के द्वारा इस प्रश्न के दिए गए उत्तर की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

"But could we also imagine a language in which a person could write down or give vocal expression to his inner experiences—his feelings, moods and the rest—for his private use?" Critically discuss the answer offered by Wittgenstein to this question. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) जैन दर्शन के अनुसार कर्म की अवधारणा का परीक्षण कीजिए। उनके मोक्ष की अवधारणा पर इसका कैसे प्रभाव पड़ता है?

Examine the concept of Karma according to Jainism. How does it bear upon their conception of Liberation?

(b) सम्प्रज्ञात समाधि एवं असम्प्रज्ञात समाधि के भेद की व्याख्या कीजिए।

Explain the difference between Samprajñāta Samādhi and Asamprajñāta Samādhi.

(c) मीमांसा के अनुसार स्मृति, प्रमा क्यों नहीं है?

Why is memory not a valid knowledge according to Mīmāṁsā?

(d) द्वैत वेदान्त में पञ्चविध भेद के महत्त्व को दर्शाइए।

Point out the significance of the five-fold differences in the Dualistic School of Vedānta.

(e) निम्बार्क के अनुसार अचित् के स्वरूप एवं प्रकारों की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature and types of matter according to Nimbārka.

6. (a) बौद्ध दर्शन में क्षणिकवाद की अवधारणा किस प्रकार से प्रतीत्यसमुत्पाद की अवधारणा का तार्किक प्रतिफलन है? व्याख्या कीजिए।

How is Kṣaṇikavāda a logical derivative of Pratītyasamutpāda in Buddhism? Explain. 20

(b) चार्वाकों द्वारा आकाश के, सत् के अवयव के रूप में, खण्डन का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए तथा उनकी आत्मा के पुनर्जन्म की आलोचना का परीक्षण कीजिए।

Critically evaluate Cārvākas' rejection of Ākāśa as one of the elements of reality and examine their criticism of transmigration of Soul. 15

(c) असत्कार्यवाद के सन्दर्भ में 'अन्यथासिद्ध' एवं 'अनन्यथासिद्ध' की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।

Explain the concepts of 'Anyathāsiddha' and 'Ananyathāsiddha' in the context of Asatkāryavāda. 15

7. (a) "एक आम का वृक्ष आम के बीज से विकसित होता है।" सांख्य दर्शन अपने कारणता सिद्धान्त के अनुसार इस प्रक्रिया की, अपने विरोधी मतों को अस्वीकार करते हुए, किस प्रकार व्याख्या करेगा?

"A mango tree is grown out of a mango seed." How will Sāṁkhya system explain this process through their theory of causation by rejecting their rival perspectives? 20

(b) बौद्ध दर्शन किस प्रकार आत्मन् की पंचस्कन्धों के रूप में व्याख्या करता है? यदि आत्मा नहीं है, तो बौद्ध दर्शन में मोक्ष क्या है?

How does Buddhism explain Self in terms of Pañcaskandhas? What is Liberation for Buddhism if there is no Soul? 15

(c) चार्वाक तथा जैन दर्शन की सत् की अवधारणा के बीच अन्तर की व्याख्या कीजिए।

Explain the differences of conception of Reality between Cārvāka and Jainism. 15

8. (a) एक सम्भावना एवं अपरिहार्यता के रूप में 'दिव्य जीवन' से अरविन्द का क्या तात्पर्य है?

What does Aurobindo mean by 'life divine' as a possibility and inevitability? 20

(b) वैशेषिक दर्शन के सन्दर्भ में विशेष की तार्किक एवं तत्त्वमीमांसीय स्थिति का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically evaluate the logical and metaphysical status of Viśeṣa in the context of Vaiśeṣika Philosophy. 15

(c) अद्वैतवाद के अनुसार जीव एवं जीव-साक्षी के स्वरूप एवं सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature and relationship of Jīva and Jīva-sākṣī according to non-dualism. 15

★ ★ ★

वियोज्य DETACHABLE

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र I)

PHILOSOPHY (Paper I)

निर्धारित समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिये नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये :
Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

1. (a) "वहाँ एक लाल कुर्सी है ।"
प्लेटो अपने आकार-सिद्धान्त का प्रयोग करते हुए इस वाक्य की किस प्रकार व्याख्या करेंगे ? परीक्षण कीजिए ।
"There is a red chair."
How would Plato explain this statement with the use of his theory of forms ? Examine. 10

1. (b) अरस्तु के अनुसार "शक्यता अपरिभाष्य है" । उपरोक्त दार्शनिक मत के सन्दर्भ में लकड़ी की मेज का उदाहरण प्रयोग करते हुए शक्यता तथा वास्तविकता के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए ।
"Potentiality is indefinable" according to Aristotle. Explain the relationship between potentiality and actuality with reference to the above philosophical position by taking the example of a "wooden table". 10

1. (c) "संवेद्य वस्तुएं केवल वे होती हैं जिन्हे अव्यवहित अथवा अपरोक्ष रूप से इन्द्रियों द्वारा प्रत्यक्ष किया जा सके ।" उपरोक्त वाक्य के सन्दर्भ में बर्कले की ज्ञानमीमांसा की व्याख्या कीजिए ।
"Sensible things are those only which are immediately perceived by sense." Explain Berkeley's theory of knowledge with reference to the above statement. 10

1. (d) लॉक की वैयक्तिक तादात्म्य की अवधारणा का परीक्षण कीजिए ।
Examine the concept of personal identity by Locke. 10

1. (e) "कारण तथा कार्य के मध्य नित्य संयोजन का सम्बन्ध होता है ।" उपरोक्त कथन के आलोक में ह्यूम की कारणता की आलोचना का परीक्षण कीजिए ।
"The relation between cause and effect is one of constant conjunction". Examine Hume's criticism of causation in the light of the above statement. 10

2. (a) हेगल की द्वन्द्वात्मक विधि की विवेचना कीजिए । उनकी द्वन्द्वात्मक विधि किस प्रकार उन्हे निरपेक्ष प्रत्ययवाद की ओर ले जाती है, इसकी व्याख्या कीजिए ।
Discuss Hegel's Dialectical method. Explain how his dialectical method leads him to the Absolute Idealism. 20

2. (b) तार्किक प्रत्यक्षवादियों के अनुसार "छद्मवाक्य" (सूडोस्टेटमेन्टस) क्या होते हैं ? "छद्मवाक्यों" की पहचान किस प्रकार की जा सकती है ? उदाहरणों सहित आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।
What according to Logical Positivists are "pseudostatements" ? How does one identify "pseudostatements" ? Critically discuss with examples. 15

2. (c) कान्ट किस प्रकार देकार्त द्वारा सूत्रबद्ध सत्तामूलक युक्ति की आलोचना प्रस्तुत करते हैं, इसकी व्याख्या कीजिए ।
Explain how Cartesian formulation of ontological argument is criticised by Kant. 15

3. (a) मूर अपने प्रपत्र "ए डिफेन्स ऑफ कॉमन सैन्स" में यह सिद्ध करने के लिए क्या युक्ति प्रस्तुत करते हैं कि इस संसार के विषय में ऐसी प्रतिज्ञाप्तियाँ सम्भव हैं जिन्हे निश्चितता के साथ सत्य जाना जा सकता है ? क्या आप सोचते हैं कि मूर द्वारा दी गई युक्तियाँ संशयवादी द्वारा ज्ञान की संभावना के विरोध में प्रस्तुत आक्षेपों का पर्याप्त प्रत्युत्तर देती हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियाँ प्रस्तुत कीजिए ।
What are the main arguments put forward by Moore in his paper "A Defence of Common Sense" to prove that there are possible propositions about the world that are known to be true with certainty ? Do you think Moore's arguments provide a sufficient response to objections presented by the sceptic against the possibility of knowledge ? Give reasons in support of your answer. 20

3. (b) स्ट्रॉसन के अनुसार आधारभूत विशेष क्या होते हैं ? स्ट्रॉसन यह मानने के लिए क्या युक्तियाँ प्रस्तुत करते हैं कि 'पदार्थीय शरीर' तथा 'व्यक्ति'आधारभूत विशेष होते हैं ? समालोचनात्मक विवेचना प्रस्तुत कीजिए ।
What according to Strawson are basic particulars ? What reasons does Strawson offer to believe that 'material bodies' and 'persons' are basic particulars ? Critically discuss. 15

3. (c) "टू डॉग्मास ऑफ एम्पीरीसिस्म" के सन्दर्भ में क्वाइन की मताग्रह रहित अनुभववाद की संकल्पना का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।
Critically examine Quine's postulate of empiricism without the dogmas with reference to his 'Two Dogmas of Empiricism'. 15

4. (a) हुसर्ल की 'प्राकृतिक अभिवृत्ति' की आलोचना का समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए । हुसर्ल प्राकृतिक अभिवृत्ति से जुड़ी समस्याओं का अपनी संवृत्तिशास्त्रीय पद्धति से किस प्रकार निवारण प्रस्तावित करते हैं ?
Present a critical exposition of Husserl's criticism of 'natural attitude'. How does Husserl propose to address the problems involved in natural attitude through his phenomenological method ? 20

4. (b) "मैं सदैव चुनाव करने में सक्षम होता हूँ, किन्तु मुझे यह जान लेना चाहिए कि यदि मैं नहीं चुन रहा होता हूँ, तब भी मैं चुनाव कर रहा होता हूँ ।" इस कथन के आलोक में सार्त्र की चुनाव तथा उत्तरदायित्व सम्बन्धी अवधारणा की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।
"I can always choose, but I ought to know that if I do not choose, I am still choosing". Critically discuss Sartre's conception of choice and responsibility in the light of above statement. 15

4. (c) "जिस संदर्भ में कुछ कहा नहीं जा सकता, उसके विषय में मौन ही रहना चाहिए ।" – विट्गैन्सटाइन के इस कथन से क्या अभिप्राय है ? समालोचनात्मक विवेचना प्रस्तुत कीजिए ।
What does Wittgenstein mean by the statement – "Whereof one cannot speak, thereof one must be silent ?" Critically discuss. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये :
Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

5. (a) क्या बीज में वृक्ष अंतर्निहित होता है ? न्याय-वैशेषिक दर्शन के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।
Does the seed contain the tree ? Discuss with reference to Nyāya-Vaiśeṣika Philosophy. 10

5. (b) न्याय दर्शन के सन्दर्भ में आप्त पुरुष द्वारा दिए गए परामर्श के रूप में शब्द के स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।
Explain with reference to Nyāya Philosophy, the nature of *śabda* as the advice of *āpta* (a reliable person). 10

5. (c) समवाय के लक्षण के रूप में अयुत सिद्धत्व एक अनिवार्य उपाधि है अथवा पर्याप्त उपाधि ? वैशेषिक दर्शन के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए ।
Is 'inseparability' (*ayuta-siddhatva*) a necessary condition or a sufficient condition for defining characteristics (*lakṣaṇa*) of *samavāya* (inherence) ? Explain with reference to Vaiśeṣika Philosophy. 10

5. (d) बौद्ध दर्शन के सन्दर्भ में पुद्गल-नैरात्म्यवाद तथा धर्म-नैरात्म्यवाद के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
Distinguish between pudgala-nairātmyavāda and dharma-nairātmyavāda with reference to Buddhist Philosophy. 10

5. (e) चारवाक की ज्ञान मीमांसा का उनके द्वारा इन्द्रियातीत वस्तुओं की अस्वीकृति से सम्बन्ध के विषय में टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए ।

Comment on the bearing of Cārvāka epistemology on the rejection of transcendental entities by them. 10

6. (a) योग दर्शन के अनुसार क्लेशों के स्वरूप की व्याख्या कीजिए । उनके निराकरण से किस प्रकार कैवल्य उपलब्ध होता है ?

Explain with reference to Yoga Philosophy, the nature of *kleśa*s. How does the removal of these lead to *kaivalya* ? 20

6. (b) तीन गुण (गुण-त्रय) तथा उनके रूपान्तरण के विषय में सांख्य-दर्शन के मत की व्याख्या कीजिए ।

Explain the Sāṅkhya view on three *guṇa*s (*guṇa-traya*) and their modifications. 15

6. (c) मीमांसकों के अनुसार अभाव का सत्तामूलक स्वरूप क्या है तथा किसी व्यक्ति को उसका ज्ञान किस प्रकार होता है ? व्याख्या तथा परीक्षण कीजिए ।

What, according to Mīmāṁsakas, is the ontological status of *abhāva* (absence) and how does one know it ? Explain and examine. 15

7. (a) विपर्यय के सम्बन्ध में अनिर्वचनीय-ख्याति के समर्थक अद्वैत मत की स्थापना हेतु न्याय मत का किस प्रकार खन्डन करते हैं ? समीक्षात्मक विवेचना कीजिए ।

How do the advocates of *anirvacaniya-khyāti* refute the position of the Naiyāyikas and establish the position of Advaitins regarding the problem of error ? Critically discuss. 20

7. (b) यदि सभी वस्तुएं क्षणिक हैं तो बौद्ध स्मृति तथा वैयक्तिक तादात्म्य की समस्या की किस प्रकार व्याख्या करेंगे ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

If everything is momentary then how do the Buddhists explain the problem of memory and personal identity ? Critically discuss. 15

7. (c) जैनों की सप्तभंगी नय की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

Explain the Jain view of seven-fold (*sapta-bhaṅgī*) 'Naya'. 15

8. (a) श्री ऑरोबिन्दो के अनुसार 'चैत्त सत्ता का जागरण तथा सत्ता के अन्य भागों पर उसकी क्रमिक प्रधानता मनुष्य के चेतन क्रम-विकास में पहला कदम है' । व्याख्या तथा परीक्षण कीजिए ।

According to Śri Aurobindo, 'the awakening of the psychic being and its gradual prominence over all other parts of the being is the first step in the conscious evolution of man'. Explain and examine. 20

8. (b) संसार के स्वरूप के विषय में शंकर तथा रामानुज के मतों की तुलना तथा अन्तर कीजिए ।

Compare and contrast the views of Śaṅkara and Rāmānuja regarding the status of the world. 15

8. (c) माध्वाचार्य के दर्शन में जीव तथा जगत के स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

Explain the status of *jīva* and *jagat* in the philosophy of Mādhvācārya. 15

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र I)
PHILOSOPHY (Paper I)

निर्धारित समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : 250* *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिये नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. (a) ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा के बीच सम्बन्ध की स्थापना हेतु प्लेटो किस प्रकार आकार सिद्धान्त का उपयोग करते हैं ? विवेचना कीजिये ।

How does Plato use the theory of forms to establish the relation between epistemology and metaphysics ? Discuss. 10

1. (b) बर्ट्रेण्ड रसेल की तार्किक विश्लेषण की विधि क्या है ? अन्ततः किस प्रकार इसकी परिणति अर्थ के अणुवादी सिद्धान्त में होती है ? विवेचना कीजिये ।

What is Bertrand Russell's method of logical analysis ? How does it ultimately end in establishing atomic theory of meaning ? Discuss. 10

1. (c) उत्तरवर्ती विट्गेन्स्टाइन की जीवन-रूप भाषा की अवधारणा की समर्थनीयता की स्थापना कीजिए ।

Establish the tenability of later Wittgenstein's motion of language as form of life. 10

1. (d) मनोविज्ञानवाद क्या है ? प्रागनुभविक संवृतिशास्त्र सम्बन्धी अपने विमर्श में हुसर्ल किस प्रकार मनोविज्ञानवाद की समस्या का परिवर्जन करते हैं ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

What is psychologism ? Critically discuss the way Edmund Husserl avoids the problem of psychologism in the discourse of transcendental phenomenology. 10

1. (e) इमैन्युएल काण्ट के अनुसार अंतःप्रत्यक्ष क्या है ? उनके द्वारा प्रस्तुत देश तथा काल के प्रागनुभविक प्रतिपादन के सन्दर्भ में विवेचना कीजिए ।

What is apperception, according to Immanuel Kant ? Discuss with reference to his transcendental exposition of space and time. 10

2. (a) हाइडेगर के 'जगत में होना' सम्बन्धी विचार का समीक्षात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिये तथा मानव अस्तित्व (दाज़ाइन) के परिप्रेक्ष्य में 'प्रामाणिकता' की समस्या की विवेचना कीजिये ।

Provide a critical account of Heidegger's Being-in-the-world and discuss the problem of 'authenticity' in the context of Dasein. 20

2. (b) क्या अरस्तू का तादात्म्य के स्वरूप सम्बन्धी मत उनके इस मत से साम्यता रखता है कि कारण प्रक्रियानुगत है ? उचित उदाहरण देते हुए व्याख्या कीजिए ।

Is Aristotle's view of nature of identity in consonance with his metaphysical view of causes as processes ? Discuss giving suitable examples. 15

2. (c) स्पिनोजा के अनुसार द्रव्य की अवधारणा का विवेचन कीजिये । द्रव्य सम्बन्धी उनकी विवेचना क्या सर्वेश्वरवाद की ओर ले जाती है ? अपने मत की पुष्टि कीजिये ।

Discuss the concept of substance according to Spinoza. Does his discussion on substance lead to pantheism ? Substantiate your view. 15

3. (a) शुद्ध तर्कबुद्धि की भ्रमात्मक प्रवृत्तियों की व्याख्या के लिए कान्ट किस प्रकार विप्रतिषेधों की रचना करते हैं ? कान्ट द्वारा प्रस्तुत विप्रतिषेधों की व्याख्या एवं परीक्षा कीजिए ।

How does Kant construct antinomies to illustrate the illusory tendencies of pure reason ? Explain and examine the antinomies presented by Kant. 20

3. (b) जार्ज विल्हेल्म हेगल के दर्शन में द्वन्द्वात्मक विधि क्या है ? निरपेक्ष के फलीभूतिकरण में यह विधि किस प्रकार सहायक है ? विवेचना कीजिए ।

What is the dialectical method in the philosophy of Georg Wilhelm Hegel ? How does this method help in realizing the Absolute ? Discuss. 15

3. (c) क्या विट्गेन्स्टाइन के भाषा के चित्र-सिद्धान्त में चित्ररूप एवं तार्किक रूप में भिन्नता है ? तार्किक रूप कैसे भाषा तथा यथार्थता के बीच सम्बन्ध को निर्दिष्ट करता है ? व्याख्या कीजिए ।

Is there any difference between pictorial form and logical form in Ludwig Wittgenstein's picture theory of language ? How does the logical form define the relation between language and reality ? Explain. 15

4. (a) सोरेन कीर्केगार्द 'विषयिनिष्ठता' की अवधारणा को किस प्रकार परिभाषित करते हैं ? उनके द्वारा प्रतिपादित अस्तित्व की तीन अवस्थाओं के सन्दर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए ।

How does Soren Kierkegaard define the notion of 'subjectivity' ? Explain it with reference to three stages of existence as propounded by him. 20

4. (b) आत्म के ज्ञान के सन्दर्भ में रेने देकार्त निश्चितता की अवधारणा की किस प्रकार व्याख्या करते हैं ? जगत के ज्ञान से यह किस प्रकार भिन्न है, इसकी समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

How does Rene Descartes explain the notion of certainty with reference to knowledge of the self ? Critically discuss the way it differs from the knowledge of the world. 15

4. (c) जॉन लॉक जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन क्यों और कैसे करते हैं ? लॉक की ज्ञानमीमांसा में ज्ञान के स्वरूप एवं स्रोत का निरूपण कीजिये ।

Why and how does John Locke refute the innate ideas ? Elucidate the nature and source of knowledge in Locke's epistemology. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. (a) पुरुष की सत्ता सिद्धि हेतु सांख्य दर्शन में प्रदत्त प्रमाणों का परीक्षण एवं मूल्यांकन कीजिये ।

Examine and evaluate the proofs given by Sāṁkhya philosophy to prove the existence of Puruṣa. 10

5. (b) वैशेषिक दर्शन के अनुसार 'सामान्य' की सत्तामीमांसात्मक स्थिति क्या है ? समीक्षात्मक परीक्षण कीजिये ।

What is the ontological status of Sāmānya, according to Vaiśeṣika Philosophy ? Critically examine. 10

5. (c) पातञ्जल योग के अनुसार समाधि के स्वरूप एवं विविध स्तरों का विवेचन कीजिये तथा इसमें ईश्वर की भूमिका का परीक्षण कीजिये ।

Discuss the nature and different stages of Samādhi as per Pātaṅjala yoga and examine the role of Īśvara in it. 10

5. (d) जैनों की कर्म की अवधारणा उनके मोक्षशास्त्र को किस प्रकार प्रभावित करती है ? समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

How does Jaina view of Karma bear upon their soteriology ? Critically discuss. 10

5. (e) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि 'विवर्तवाद परिणामवाद का तार्किक विकास है' ? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिये ।

Do you agree with the view that 'Vivartavāda is the logical development of Pariṇāmavāda' ? Give reasons in support of your answer. 10

6. (a) बौद्धों का क्षणिकवाद सिद्धांत उनके कर्म सिद्धान्त से कितना सुसंगत है ? इस सम्बन्ध में बौद्ध उनके प्रतिपक्षियों द्वारा उत्थापित आक्षेपों का उत्तर किस प्रकार देते हैं ? समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

How compatible is Buddhist theory of momentariness with their theory of Karma ? In this regard how do Buddhists respond to objections raised by their opponents ? Critically discuss. 20

6. (b) 'निरपेक्ष को अभिगृहीत किये बिना जैन दर्शन का सापेक्षतावादी सिद्धान्त तार्किक रूप से धारणीय नहीं हो सकता।' इस मत का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिये तथा अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिये।

'The doctrine of 'Relativism' of Jain Philosophy cannot be logically sustained without postulating 'Absolutism'.' Critically examine this view and give reasons in the favour of your answer. 15

6. (c) मीमांसक न्याय के इस मत का कि अर्थापत्ति का अन्तर्भाव अनुमान में हो जाता है, किस प्रकार खन्डन कर अर्थापत्ति की एक स्वतन्त्र वैध ज्ञान स्त्रोत (प्रमाण) के रूप में स्थापना करते हैं ? समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

How do Mīmāṁsakas refute the Nyāya view that Implication (arthāpatti) is reducible to Inference (anumāna) and establish Implication as an independent means of valid knowledge (pramāṇa) ? Critically discuss. 15

7. (a) ज्ञान की स्वतःप्रामाण्यता की स्वीकृति के बावजूद प्रभाकर एवं कुमारिल भ्रमात्मक ज्ञान की व्याख्या में क्यों और कैसे भिन्न हैं ? विवेचन कीजिये।

Inspite of accepting the intrinsic validity of knowledge, why and how Prabhākar and Kumārila differ in their interpretation of erroneous cognition ? Discuss. 20

7. (b) बौद्ध दर्शन की त्रिरत्न की अवधारणा तथा इनके अन्तःसम्बन्धों की व्याख्या कीजिये। बौद्ध दर्शन के नैरात्म्यवाद के साथ त्रिरत्न की सुसंगतता का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिये।

Explain Buddhist concept of Tṛratna and their internal relation. Critically examine the consistency of Tṛratnas with the Buddhist concept of No-soul (Nairātmyavāda). 15

7. (c) चारवाक के अनुमान के विरोध में दिए गए आक्षेपों का नैयायिक किस प्रकार प्रत्युत्तर देते हैं तथा अनुमान को एक स्वतन्त्र ज्ञान-स्रोत के रूप में स्थापित करते हैं ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How do Naiyāyikas respond to Cārvāka's objections against inference (anumāna) and establish inference as an independent means of knowledge ? Critically discuss. 15

8. (a) 'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या, जीवो ब्रह्मैव नाऽपरः'। इस कथन के आलोक में अद्वैत वेदान्त में निरूपित ईश्वर, जीव एवं साक्षी की सत्तात्मक स्थिति की व्याख्या कीजिये।

'Brahma satyam jaganmithyā, jīvo Brahmaiva nāparaḥ'. In the light of this statement explain the ontological status of Iśvara, Jīva and Sākṣī as elucidated in Advaita Vedānta. 20

8. (b) श्रीअरविन्द द्वारा प्रतिपादित वैयक्तिक विकास हेतु त्रिविध रूपान्तरण की प्रक्रिया में समग्र योग की भूमिका की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिये।

Explain and evaluate the role of integral yoga in the process of triple transformation for individual evolution as expounded by Sri Aurobindo. 15

8. (c) मध्वाचार्य की मोक्ष की अवधारणा रामानुजाचार्य की अवधारणा से कैसे भिन्न है ? व्याख्या कीजिये।

How does the concept of Liberation (Mokṣa) of Madhvācārya differ from that of Rāmānujācārya ? Explain. 15

वियोज्य *DETACHABLE*

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र I)
PHILOSOPHY (Paper I)

निर्धारित समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : 250* *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिये नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

1.(a) "संप्रत्ययों के बिना इन्द्रिय-बोध दृष्टिहीन हैं तथा इन्द्रिय-बोध से रहित सम्प्रत्यय रिक्त हैं।" उपरोक्त कथन के आलोक में विवेचना कीजिए कि किस प्रकार कान्ट बुद्धिवाद तथा अनुभववाद का समन्वय करते हैं।

"Precepts without concepts are blind and concepts without precepts are empty." In the light of this statement discuss how Kant reconciles rationalism with empiricism. 10

1.(b) "इतिहास द्वंद्वात्मक बदलाव की प्रक्रिया है।" इस कथन के आलोक में इतिहास को समझने के लिए हेगल के दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए।

"History is a process of dialectical change." In the light of this statement discuss Hegel's approach in understanding history. 10

1.(c) "उस वस्तु को स्वतन्त्र कहा जा सकता है जो केवल अपने स्वरूपवश अनिवार्यतः अस्तित्ववान हो, और जो स्वयमेव कृत्यप्रति नियतिबद्ध हो।" इस कथन के आलोक में स्पिनोजा के नियतत्ववाद तथा स्वातन्त्र्य संबंधी विचारों की विवेचना कीजिए।

"That thing is said to be free which exists solely from the necessity of its own nature, and is determined to action by itself alone." Discuss Spinoza's views on freedom and determinism in the light of the above statement. 10

1.(d) व्यक्ति को आत्मा का मूलतत्त्व मानते हुए कीर्केगार्द किस प्रकार हेगल की सार्वभौम आत्मा की अवधारणा के विरुद्ध युक्ति प्रस्तुत करते हैं ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does Kierkegaard argue against Hegel's idea of universal spirit in favour of the individual as the essence of spirit ? Critically discuss. 10

1.(e) यह सिद्ध करने के लिए कि संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय संभव हैं कांट क्या युक्तियाँ प्रस्तुत करते हैं ? सोदाहरण विवेचना कीजिए।

What are the main arguments offered by Kant to prove that apriori synthetic judgements are possible ? Discuss with examples. 10

2. (a) 'कारणता संसर्ग के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त पर आधारित आदत संबंधी विषय है'– ह्यूम के इस तर्क का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

Critically analyse Hume's argument that causality is a matter of habit/custom involving psychological principle of association. 20

2. (b) अरस्तु के वास्तविकता तथा शक्यता के बीच प्रभेद की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए । क्या यह प्राचीन ग्रीक दर्शन में प्रस्तुत सत् तथा संभवन की समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है ? उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए ।

Present an exposition of Aristotle's distinction between actuality and potentiality. Does it provide a solution to the problem of being and becoming as presented in ancient Greek philosophy ? Discuss with suitable examples. 15

2. (c) देकार्त का जन्मजात प्रत्यय सिद्धान्त तथा वे आधार जिन पर लॉक उनका खण्डन करते हैं, की व्याख्या कीजिए ।

Discuss Descartes' theory of innate ideas and the grounds on which Locke refutes it. 15

3. (a) क्या तार्किक भाववादीयों द्वारा प्रस्तावित तत्त्वमीमांसा की अस्वीकृति अर्थ की समस्या अथवा ज्ञान की समस्या अथवा वस्तुओं के स्वरूप की समस्या या फिर इन सभी से जुड़ी हुई है ? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए ।

Does the rejection of metaphysics as proposed by Logical Positivists relate to problem of meaning or problem of knowledge or nature of things or all of them together ? Discuss with suitable examples. 20

3. (b) हुसरल की सवृत्तिशास्त्रीय विधि में कोष्ठीकरण तथा अपचयन के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

Elucidate the significance of bracketing and reduction in Husserl's phenomenological method. 15

3. (c) "चेतना वह है जो यह नहीं है और यह वह नहीं है जो कि यह है ।" इस कथन के आलोक में सार्त्र की चेतना की अवधारणा की प्रमुख विशेषताओं को उजागर कीजिए ।

"Consciousness is what it is not and is not what it is." In the light of this statement bring out the chief features of Sartre's conception of consciousness. 15

4. (a) स्ट्रॉसन व्यक्ति को एक आद्य अवधारणा क्यों मानते हैं ? मनस-शरीर द्वैतवाद के लिए इसका क्या निहितार्थ है ? विवेचना कीजिए ।

Why does Strawson consider person to be a primitive concept ? What implication does it have for the mind-body dualism ? Discuss. 20

4. (b) रसैल के अनुसार यह प्रतिज्ञप्ति – "फ्रान्स का वर्तमान राजा गंजा है" क्यों समस्याग्रस्त है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

Why according to Russell is the proposition – "The present king of France is bald" problematic ? Critically discuss. 15

4. (c) किन प्रमुख कारणों से विट्गेन्स्टाइन अपना रूख अर्थ के चित्र-सिद्धान्त से अर्थ के प्रयोग-सिद्धान्त की ओर कर लेते हैं ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

What were the main reasons that led Wittgenstein to shift from picture-theory of meaning to use-theory of meaning ? Critically discuss. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिये :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

5. (a) "सभी मानवीय ज्ञान आनुभविक है तथा इस कारण सापेक्ष है ।"
उपरोक्त कथन के आलोक में जैनों के सप्तभंगीनय सिद्धान्त की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए ।

"All human knowledge is empirical and therefore relative." Critically examine Jaina theory of sevenfold judgement (saptabhanginaya) in the light of above statement. 10

5. (b) "यदि पुरुष और प्रकृति दो पूर्ण रूप से स्वतन्त्र सत्ताएं हैं तो इन दोनों के बीच कोई भी संबंध सम्भव नहीं है ।" इस कथन के आलोक में शंकर की सांख्य द्वैतवाद की आलोचना का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

"If Puruṣa and Prakṛti are two completely independent realities, then no relation between the two is possible." In the light of this statement make a brief presentation of Śaṅkara's criticism of Sāṁkhya dualism. 10

5. (c) महावाक्य 'तत् त्वम् असि' की अद्वैतवादी व्याख्या क्या है ? संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

What is Advaitin interpretation of the great sentence (mahāvākya) 'Thou art that' (tat tvam asi) ? Briefly discuss. 10

5. (d) वैशेषिकों के कथन – "अभाव भाव का प्रतियोगी होता है तथा निरपेक्ष अभाव असम्भव है" – के प्रकाश में उनकी अभाव की अवधारणा का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Present an account of Vaiśeṣika's view of negation in the light of their statement – "Negation always has a counterpositive and absolute negation is an impossibility." 10

5. (e) ऑरबिन्दो के दर्शन के अनुसार विकासक्रम में अतिमनस (सुपरमाइन्ड) के स्वरूप तथा भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

Explain the nature and role of Supermind in evolution as per Aurobindo's philosophy. 10

6. (a) शंकर की ब्रह्म और ईश्वर संबंधी अवधारणाओं की रामानुज द्वारा की गई आलोचना की विवेचना कीजिए ।

Discuss Rāmānuja's criticism of Śaṅkara's conception of Brahman and Īśvara (God). 20

6. (b) अनुपलब्धि प्रमाण पर भट्ट मत प्रस्तुत कीजिए ।

Present Bhatta's view of anupalabdhi (non-cognition) as a valid means of knowledge. 15

6. (c) नैयायिकों के लौकिक एवं अलौकिक प्रत्यक्ष सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए । सामान्य अथवा जाति का प्रत्यक्ष होता है, इसे स्वीकार करने में क्या वे न्याय संगत हैं ? विवेचना कीजिए ।

Elucidate Naiyāyikas view of ordinary and extraordinary perception. Are they justified in accepting that universals are perceived ? Discuss. 15

7. (a) वैध हेतु के पाँच लक्षणों के संदर्भ में नैयायिकों की हेत्वाभास की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।

Elucidate Naiyāyikas account of fallacies of the middle term in relation to five characteristics of valid middle term. 20

7. (b) अद्वैतवेदान्तियों के अनुसार मोक्ष पूर्व प्राप्त की पुनः प्राप्ति (प्राप्तस्य प्राप्ति) है । इस कथन को शंकर किस प्रकार उदाहरणों से स्पष्ट करते हैं ? अपनी टिप्पणियों सहित विवेचना कीजिए ।

Liberation is defined by Advaita Vedāntins as 'attainment of that which is already attained'. How does Śaṅkara illustrate this statement ? Discuss with your own comments. 15

7. (c) योग दर्शन के अनुसार चित्त एवं चित्तवृत्तियों की व्याख्या कीजिए । योग दर्शन चित्तवृत्तियों के निरोध का निर्देश क्यों देता है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

Explain Chitta and its modifications in the philosophy of Yoga. Why does Yoga philosophy prescribe cessation of modifications of Chitta ? Give reasons in support of your answer. 15

8. (a) "प्रतीत्यसमुत्पाद को न जानना दुख है जबकि उसका ज्ञान दुख का अंत है ।"
उपरोक्त कथन के आलोक में बौद्धों के मोक्षशास्त्र की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए ।

"Ignorance of dependent origination is suffering while its knowledge is cessation of suffering."
Present an account of Buddhist soteriology in the light of above statement. 20

8. (b) न्यायदर्शन में प्रागभाव के अवधारणा पर एक टिप्पणी लिखिए । यह अवधारणा किस प्रकार सांख्य के कारणता सिद्धान्त के प्रतिपक्ष में नैयायिकों की अपने कारणता सिद्धान्त की प्रतिरक्षा में सहायता करती है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

Write a note on Nyāya notion of Prāgabhāva (prior non-existence). How does this notion help Naiyāyikas in defending their position on causation against the Sāṁkhya view of causation ? Critically discuss. 15

8. (c) क्या पद/शब्द सामान्य को अथवा विशेष को अथवा दोनों को इंगित करते हैं ? इस विषय पर न्याय तथा मीमांसा मतों की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए ।

Do words refer to universals or particulars or both ? Present an exposition of Nyāya and Mīmāṁsā position with regard to above question along with suitable examples. 15

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : **तीन** घंटे
Time Allowed : **Three** Hours

अधिकतम अंक : **250**
Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) प्लेटो तथा अरस्तू की आकार की अवधारणाओं के बीच विभेद कीजिए।

Differentiate between Plato's and Aristotle's conceptions of form. *10*

(b) प्रागनुभविक निर्णयों के संदर्भ में ह्यूम के संशयवाद का कांट क्या प्रत्युत्तर देते हैं ? विवेचना कीजिए।

How does Kant respond to Hume's scepticism with regard to a priori judgments ? Discuss. *10*

(c) मूर द्वारा यह सिद्ध करने के लिए क्या युक्तियाँ प्रस्तुत की गई हैं कि कुछ ऐसे सामान्य सत्य होते हैं, जिनका ज्ञान, सामान्य बुद्धि का विषय होता है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

What arguments are offered by Moore to prove that there are certain truisms, knowledge of which is a matter of common sense ? Critically discuss. *10*

(d) उत्तरवर्ती विट्गेंस्टाइन ऐसा क्यों सोचते हैं कि ऐसी कोई भाषा जिसे एक ही व्यक्ति बोलता हो, ऐसी भाषा जो सार रूप से निजी हो, संभव नहीं है ? विवेचना कीजिए।

Why does later Wittgenstein think that there cannot be a language that only one person can speak — a language that is essentially private ? Discuss. *10*

(e) कीर्केगार्द सत्य को विषयनिष्ठता के रूप में किस प्रकार परिभाषित करते हैं ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does Kierkegaard define truth in terms of subjectivity ? Critically discuss. *10*

Q2. (a) क्या लॉक की प्राथमिक गुणों की अवधारणा का खंडन बर्कले के प्रत्ययवाद की ओर झुकाव में सहायक है ? इस संदर्भ में, यह विवेचना भी कीजिए कि किस प्रकार बर्कले का विषयनिष्ठ प्रत्ययवाद हेगेल के निरपेक्ष प्रत्ययवाद से भिन्न है।

Is rejection of Locke's notion of primary qualities instrumental in Berkeley's leaning towards idealism ? In this context, also discuss how Berkeley's subjective idealism is different from the absolute idealism proposed by Hegel. *20*

(b) अपने कथन – "जो कुछ भी है, ईश्वर में है" से स्पिनोज़ा किस प्रकार यह स्थापित करते हैं कि केवल ईश्वर ही निरपेक्ष रूप से यथार्थ है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does Spinoza establish that God alone is absolutely real with his statement – "Whatever is, is in God" ? Critically discuss. *15*

(c) ईश्वर की सत्ता के लिए सत्तामूलक युक्ति के विरुद्ध कांट के आक्षेपों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine Kant's objections against the ontological argument for the existence of God. *15*

Q3. (a) रसेल की अपूर्ण प्रतीकों की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। यह भी समझाइए कि किस प्रकार यह अवधारणा तार्किक परमाणुवाद के सिद्धान्त की ओर ले जाती है।

Explain Russell's notion of incomplete symbols. Also explain how this notion leads to the doctrine of logical atomism. *20*

(b) तार्किक प्रत्यक्षवादियों/भाववादियों के अनुसार क्या वाक्य "सभी वस्तुएँ या तो लाल होती हैं अथवा लाल नहीं होती हैं" उसी प्रकार से अर्थपूर्ण है जिस प्रकार से वाक्य "यह पृष्ठ श्वेत है" अर्थपूर्ण है ? युक्तियों सहित विवेचना कीजिए।

Is the sentence "All objects are either red or not red" meaningful in the same way as "This page is white" is, according to the logical positivists ? Discuss with arguments. *15*

(c) बुद्धिवादियों में किसकी मानस-देह समस्या की व्याख्या मानव स्वातंत्र्य तथा संकल्प स्वातंत्र्य से सुसंगत है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

Among the rationalists, whose account of mind-body problem is compatible with the notion of human freedom and free will ? Critically discuss. *15*

Q4. (a) "अस्तित्व सार का पूर्वगामी है" इस आदर्श-वाक्य से अस्तित्ववादी विचारकों का क्या अर्थ है ? उनके अनुसार मानव सत्ता किस प्रकार मानव स्वातंत्र्य से संबंधित है ? विवेचना कीजिए।

What do the existentialist thinkers mean by the slogan "existence precedes essence" ? How is human existence related to human freedom according to them ? Discuss. *10+10*

(b) हुसर्ल ऐसा क्यों सोचते हैं कि सार-तत्त्व, चेतना तथा सत् के बीच एक प्रकार की निरंतरता को प्रदर्शित करते हैं ? विवेचना कीजिए ।

Why does Husserl think that essences exhibit a kind of continuity between consciousness and being ? Discuss. *15*

(c) उन दो मताग्रहों के स्वरूप की व्याख्या कीजिए जिनको क्वाइन अपने लेख 'टू डॉगमास ऑफ एम्पिरिसिस्म' में संदर्भित करते हैं ।

Explain the nature of the two dogmas that Quine refers to in his paper 'Two Dogmas of Empiricism'. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) क्या आप सोचते हैं कि चार्वाक दर्शन का स्वरूप प्रत्यक्षवादी/भाववादी है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क एवं प्रमाण प्रस्तुत कीजिए ।

Do you think Cārvāka's philosophy is positivistic in nature ? Give reasons and justifications for your answer. *10*

(b) स्व की सत्ता सिद्ध करने के लिए नैयायिकों द्वारा प्रदत्त छः तर्कों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the six reasons offered by the Naiyāyikas to prove the existence of the self. *10*

(c) वैशेषिकों के अनुसार, यह दो वाक्य "वायु में ऊष्मा नहीं होती" तथा "वायु अग्नि नहीं है" क्या समान प्रकार के अभाव को संदर्भित करते हैं ? विवेचना कीजिए ।

Do these two sentences "Air does not have heat" and "Air is not fire" refer to the same type of absence or abhāva, according to the Vaiśeṣikas ? Discuss. *10*

(d) शब्दार्थ तथा वाक्यार्थ के स्वरूप के विषय में भट्ट मत, प्रभाकर के मत से किस प्रकार भिन्न है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

How does Bhāṭṭa's view of nature of word-meaning and sentential-meaning differ from Prābhākara's view ? Critically discuss. *10*

(e) "विशिष्टाद्वैत दर्शन में, ईश्वर तथा जगत के बीच संबंध, व्यष्टिक आत्मा तथा उसके शरीर के समानांतर है ।" समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

"In Viśiṣṭādvaita philosophy, the relationship between God and the world is parallel to that between an individual self and its body." Critically discuss. *10*

Q6. (a) चार्वाकों द्वारा स्व का अतींद्रिय कोटि के रूप में खंडन तथा बौद्धों द्वारा आत्मा के खंडन के बीच विभेद कीजिए।

Differentiate between the Cārvākas' refutation of self as a transcendental category and the Buddhist rejection of ātmā. *20*

(b) *प्रतीत्यसमुत्पाद* के समान मत से ही बौद्ध दर्शन के दो सम्प्रदाय विपरीत निष्कर्षों जैसे कि "सभी वस्तुएँ शून्य हैं" तथा "सभी वस्तुएँ यथार्थ हैं" तक किस प्रकार पहुँचते हैं ? युक्तियों सहित उत्तर दीजिए।

How do the two schools of Buddhism arrive at two opposed conclusions, namely "everything is void" and "everything is real" from the same doctrine of *Pratītyasamutpāda* ? Answer with arguments. *15*

(c) जैनों के अनुसार *भावबन्ध* तथा *द्रव्यबन्ध* में क्या अंतर है ? विवेचना कीजिए।

What is the distinction between *Bhāvabandha* and *Dravyabandha*, according to the Jainas ? Discuss. *15*

Q7. (a) सांख्यकारिका में प्रतिपादित प्रकृति के विकासक्रम संबंधित मत को प्रस्तुत कीजिए। इस संदर्भ में, बुद्धि, महत तथा अहंकार के बीच भेद की भी व्याख्या कीजिए।

Present an account of evolution of Prakṛti as propounded in Sāṃkhyakārikā. In this context, also explain the difference between buddhi, mahat and ahaṃkāra. *10+10*

(b) "जब तक चित्त में परिवर्तन तथा रूपांतरण होते रहेंगे, उनमें स्व/आत्म का प्रतिबिंबन होगा, जो विवेक की अनुपस्थिति में स्वयं को उनसे आत्मसात करेगा।" उपर्युक्त कथन के आलोक में योगदर्शन के मोक्षशास्त्र की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

"So long as there are changes and modifications in citta, the self is reflected therein, and, in the absence of discriminative knowledge, identifies itself with them." Present an appraisal of Yoga Soteriology in the light of the above statement. *15*

(c) "हमारा योग चढ़ाव तथा उतराव का दो तरफा गमनागमन है।"
उपर्युक्त कथन की श्री ऑरबिंदो की पूर्ण (इन्टिग्रल) योग की अवधारणा के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

"Our Yoga is a double movement of ascent and descent."
Discuss the above statement in the context of Sri Aurobindo's conception of Integral Yoga. *15*

Q8. (a) मुझे यह ज्ञान कैसे होता है कि मैं जानता हूँ ? नैयायिकों, भट्ट मीमांसकों तथा प्रभाकरों के संदर्भ में इस प्रश्न का उत्तर दीजिए।

How do I know that I know ? Answer this question with reference to the Naiyāyikas, the Bhāṭṭa Mīmāṃsākas and the Prābhākaras. *20*

(b) "एक अभ्यर्थी जिसे दिन के समय में कभी अध्ययन करते हुए नहीं देखा गया है, एक प्रतियोगी परीक्षा में उच्च स्थान प्राप्त कर लेता है।" भट्ट मीमांसक तथा नैयायिक इस अभ्यर्थी की सफलता की किस प्रकार व्याख्या करेंगे ? विवेचना कीजिए।

"A candidate who is never seen to be studying during the day time secures a high position in a competitive exam." How would the Bhāṭṭa Mīmāṃsākas and the Naiyāyikas explain the success of this candidate ? Discuss. *15*

(c) किन आधारों पर प्रभाकर तथा नैयायिक, स्मृति को प्रमाण के रूप में अस्वीकार करते हैं ? विवेचना कीजिए।

On what grounds do the Prābhākaras and the Naiyāyikas reject memory as a source of knowledge ? Discuss. *15*